सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 345 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 28 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पूर्व नेता प्रतिपक्ष के भाई शेखर ने ट्रेन में कटकर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के बीजेपी नेता ने खुदकुशी कर ली है। जांजगीर-चांपा के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के भाई शेखर चंदेल ने आत्महत्या की है। खुदकुशी का कारण अब तक अज्ञात है। बीजेपी नेता शेखर चंदेल ने जांजगीर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या की है। घटना की जानकारी मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे है।

मिली जानकारी के अनुसार, बीजेपी नेता शेखर चंदेल ने शुक्रवार रात में जांजगीर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या की है। आत्महत्या के जानकारी देर रात तक आस-पास के लोगों को भी मिली। जिसके बाद घटना स्थल पर भीड़ उमड़ रही थी। वहीं पुलिस को सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया। वहीं एंबुलेंस के मदद से शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

बीजेपी नेता ने किस वजह से आत्महत्या की है इसकी जानकारी किसी को नहीं है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे मामला और भी रहस्यमय हो गया है। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी नेता शेखर चंदेल के परिजनों से पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुट गई है। बात दें कि शेखर चनडेल को हाल ही में स्काउट गाइड के जिला आयुक्त बनाए गए थे।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1163.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1163.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 28 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2376.3 मिमी और बेमेतरा जिले में सबसे कम 606.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

साय सरकार की कृषि नीतियों का असर, किसानों की होगी बल्ले-बल्ले

फिर टूटेगा धान खरीदी का रिकार्ड

अच्छी बारिश से बंपर फसल का अनुमान, बाजार भी स्वागत को तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। विष्णुदेव साय सरकार की कृषि नीतियों से एक बार फिर किसानों की बल्ले-बल्ले होने जा रही है। दरअसल, इस साल अच्छी बारिश होने से इस बार भी बंपर फसल होने की पूरी संभावना है। इससे किसानों को भी ज्यादा फायदा होगा। इस बार किसानों को समर्थन मूल्य पर खाद, बीज और रियायती दर पर अल्पकालिक ऋण मुहैय्या कराने में सरकार और सरकारी अमले ने जमीनी प्रयास किए, जिसका असर खेतों में अच्छी फसल के रूप में नजर आ रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार हर साल किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी करती है। खरीफवर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर करीब 24 लाख 72 हजार किसानों से धान खरीदी हुई। इन किसानों से 144.92 लाख यानी करीब 145 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। धान खरीदी के इस आंकड़े ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में साल दर साल धान खरीदी का नया रिकॉर्ड बनता जा रहा है। साल 2019 में जहां करीब 80 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी, वहीं साल 2023 आते तक यह आंकड़ा 145 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया। इस साल भी रिकॉर्ड धान खरीदी की उम्मीद की जा रही है। साल का सबसे बड़ा त्यौहार दीवाली नजदीक है और धान बिक्री के बाद किसानों के जेबें भरे रहने से बाजार में भी रौनक आने की संभावना है। यही वजह है कि हर साल व्यापारी इस बार की उम्मीद करते हैं कि किसानों की फसल अच्छी हो, ताकि वे त्यौहारी खरीददारी करें और बाजार में रोलिंग शुरू हो।

पिछले 5 वर्षों की बात करें तो साल 2019 में 80.37 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी हुई थी। वहीं, साल 2020 में 83.94 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। साल 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 92 लाख मीट्रिक टन धान तक पहुंच गया। इसके बाद साल 2022 में 107 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई। जबकि साल 2023 में 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी ने पिछले तमाम आंकड़ों को ध्वस्त कर नया रिकार्ड बनाया। इस बार संभावना जाहिर की जा रही है कि पिछले वर्ष से भी ज्यादा मात्रा में धान की खरीदी होगी।

धान खरीदी का समर्थन मूल्य

छत्तीसगढ़ में किसानों से सरकार 21 क्विंटल प्रति एकड़ 3100 रुपए के भाव से धान खरीद रही है। इस बार भी खरीफ सीजन में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां चल रही है। खाद्यमंत्री दयालदास बघेल पहले ही समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए बारदाने का इंतजाम, धान खरीदी केंद्रों में इंटरनेट कनेक्शन, कम्प्यूटर और नापतौल उपकरणों को सही करने के निर्देश दे चुके हैं। उल्लेखनीय है कि साल 2023 में 96 दिनों तक धान खरीदी चली थी। सीएम साय ने 31 जनवरी 2023 को खत्म होने वाले धान खरीदी की तारीख को बढ़ाकर चार फरवरी कर दिया था। जिससे किसानों को धान बेचने के लिए ज्यादा वक्त मिल पाया और उन्हें बड़ा फायदा भी हुआ। राज्य सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023-24 खरीफवर्ष में समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। जबकि साल 2022-23 के खरीफ साल में 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। साल 2023-24 खरीफवर्ष में कुल 37.39 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी ज्यादा हुई।

पहले रूठे, फिर जमकर बरसे बदरा

छत्तीसगढ़ में दक्षिण पश्चिम मानसून ने 8 जून को दस्तक दे दी थी, लेकिन शुरू के काफी समय तक बारिश नहीं हुई। इससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ तौर पर उभरी नजर आई। हालांकि जुलाई मध्य आते-आते छिटपुट बारिश प्रारम्भ हुई और सावन की शुरूआत के साथ ही झमाझम बरसात का दौर प्रारंभ हो गया। इससे किसानों को काफी संबल मिला। बारिश हालांकि अब भी हो रही है, लेकिन सावन की बरसात ने अब तक बारिश का पूरा कोटा पूरा कर दिया। प्रदेश में इस बार सामान्य से 6 फीसद ज्यादा बारिश हुई है।

कई जगह अति बारिश ने बढ़ाई चिंता

इस बार बस्तर और सरगुजा जैसे पहाड़ी इलाकों में जमकर बारिश हुई है। हालात यह है कि इन इलाकों में बाढ़ के चलते हाहाकार मचा रहा। इससे इन इलाकों के आदिवासी किसानों की चिंता जरूर बढ़ी। सरगुजा संभाग के कई इलाकों में तो अब भी बाढ़ जैसे हालात हैं। 26 सितंबर तक छत्तीसगढ़ में बारिश ने 1200 मिलीमीटर के लेवल को पार कर दिया। पिछले डेढ़ दशक यानी 15 सालों में पांचवीं बार 1200 मिलीमीटर के आंकड़े को बारिश ने पार किया। वहीं मैदानी इलाकों में अच्छी बारिश से किसानों की फसल भी इस साल अच्छी होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक, अक्टूबर महीने के शुरूआत में ही मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्लांट में लगी भीषण आग, भारी नुकसान की आशंका

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के होसुर में स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्लांट में भीषण आग लगने की घटना हुई है। आग काफी भीषण है, जिसके चलते प्लांट में धमाके की खबर है। आग से प्लांट में भारी नुकसान की आशंका है। आग प्लांट के सेलफोन मैन्युफैक्चरिंग सेक्शन में लगी, जिसके बाद प्लांट के सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। आग से प्लांट को भारी नुकसान हुआ है। आग शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे लगी। इसके बाद प्लांट से धुएं का गुबार उठता देखा गया। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश की। आग कंपनी के केमिकल गोदाम में लगी, जो धीरे-धीरे प्लांट के अन्य हिस्सों में भी फैल गई।

घटना के समय 1500 कर्मचारी काम कर रहे थे

घटना के समय प्लांट में 1500 के करीब कर्मचारी काम कर रहे थे। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल सका है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने भी बयान जारी कर होसुर स्थित प्लांट में आग लगने की पुष्टि की है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि आग लगने पर आपातकालीन प्रोटोकॉल का पालन किया गया और सभी कर्मचारियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई। आग लगने की वजह की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आग की घटना के चलते तीन कर्मचारियों को सांस संबंधी परेशानी हुई, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है। मौके पर भारी संख्या में पुलिसबल तैनात है।

राजधानी में दिल दहला देने वाली घटना, चार बेटियों के साथ पिता ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

नईदिल्ली (एजेंसी)। एक साथ पांच लोगों की खुदकुशी ने राजधानी को दहला दिया। यह घटना शुक्रवार को सामने आई। देश की राजधानी दिल्ली में एक ही परिवार के पांच लोगों ने खुदकुशी कर ली। वसंत कुंज के रंगपुरी गांव में रहने वाले पिता व उसकी चार बेटियों ने एक साथ खुदकुशी कर ली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पांचों ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी है। पड़ोसियों और मकान मालिक से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने फ्लैट का ताला तोड़कर शवों को बाहर निकाला है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह करीब सवा दस बजे पुलिस ने किराये के फ्लैट से सभी के शवों को बरामद किया। पुलिस के अनुसार, पिता कारपेंटर का काम करता था। उसकी पहचान

घटना स्थल : जहां पिता ने चार बेटियों के साथ की खुदकुशी

हीरालाल के रूप में हुई है। उसकी पत्नी की एक साल पहले मौत हो गई थी। वह कैंसर से पीड़ित थी। पत्नी की मौत के बाद हीरालाल परेशान रहता था। पुलिस को मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पड़ोसियों ने बताया कि 24 सितंबर को परिवार को आखिरी बार देखा गया था। उसके बाद से फ्लैट का दरवाजा बंद था। पुलिस को मौके से जहरीले पादर्थ के पाउच मिले हैं।

पुलिस की पूछताछ में केयरटेकर मोहन सिंह ने बताया कि तीसरी मंजिल की सफाई के दौरान फ्लैट नंबर सी-4 से दुर्गंध आ रही थी। खटखटाने पर किराएदारों ने दरवाजा नहीं खोला। इसके अलावा, मकान मालिक ने खुद दरवाजा खटखटाया, लेकिन फिर भी दरवाजा नहीं खुला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ा। इसके बाद पुलिस फ्लैट में दाखिल हुई। फ्लैट में दो कमरे हैं। पहले कमरे में एक पुरुष मृत पाया गया, जबकि दूसरे कमरे में चार लड़कियों के शव मिले। मृतकों की पहचान हीरालाल शर्मा (46) पुत्र मरई लाल शर्मा, नीतू (26), निक्की (24), नीरू (23) और निधि (20) के रूप में हुई है।

पड़ोसियों और करीबी रिश्तेदारों से पूछताछ में पता चला कि मृतक हीरालाल की पत्नी की करीब एक साल पहले कैंसर से मौत हो गई थी। हीरालाल पिछले 28 साल से इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर, वसंत कुंज में बढ़ई के रूप में कार्यरत था। पिछले कुछ महीनों से वह काम पर नहीं जा रहा था। उसकी दो बेटियां दिव्यांग थी। पड़ोसियों ने यह भी बताया कि उनकी बेटिया अपने फ्लैट से बहुत कम बाहर निकलती थी। पुलिस को घर के अंदर से जहर के तीन पैकेट और संदिग्ध तरल पदार्थ से भरे पांच गिलास और एक चम्मच मिले। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रईसजादों की इंद्रसभा में 'जी लो जिन्दगी'

श्रीकंचनपथ

वह दौर और था जब लोग पैसे आने वाली पीढ़ी के लिए कमाते और जोड़ते थे। यह दौर है जिन्दगी को खुद जीने का। नया ट्रेंड कमाई से ज्यादा खर्च करने का है। यह पीढ़ी ईएमआई पर अपने महंगे से महंगा शौक पूरा करती है। लाइफ स्टाइल के नाम पर वह किसी भी हद से गुजर जाना चाहती है। इन्हीं लोगों की जरूरतों को पूरा करती हैं पूल और रेव पार्टियां। नाइट पार्टियां भी इसी का हिस्सा हैं। इन पार्टियों की एंट्री बहुत महंगी होती है पर कालेज गर्ल्स या 18 से 22-23 साल की लड़कियों को फ्री एंट्री दी जाती है। इसमें शौकीन रईसजादे अपने चमचों और चमचियों के साथ पहुंचते हैं। कोलकाता, मुम्बई, गोवा, यहां तक कि विदेशी लड़कियों को भी यहां इनवाइट किया जाता है। इंद्रसभा सजती है और युवक युवतियां सुबह तक झूमते-नाचते रहते हैं। इतना स्टैमिना आता कहां से है? तो इसका जवाब नशे की उस खुराक में छिपा है जो इन पार्टियों में आसानी से उपलब्ध हो जाती है। नशे के सौदागर न केवल इन पार्टियों की ताक में रहते हैं बल्कि जरूरत पड़ने पर इसे फाइनेंस भी करते हैं। इन पार्टियों में शराब और शबाब के साथ-साथ चॉकलेट-केक और बर्फी की भी डिमांड होती है। पार्टियों में लोग मिठाई और केक खाते हैं तो इसपर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। पर यह केक और बर्फी कोई आम केक या बर्फी नहीं है। इस केक को खाते ही दिल की धड़कनें तेज हो जाती हैं। रक्तचाप बढ़ जाता है। भूख मर जाती है और नींद गायब हो जाती है। सेक्स की भूख बढ़ जाती है। दरअसल, चॉकलेट केक एक खतरनाक नशा मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन या मेफेड्रोन या एक्सटेसी का छद्म नाम है। तकनीकी भाषा में इसे एमडीएमए कहा जाता है। इसके एक ग्राम की कीमत 15 हजार रुपए तक हो सकती है। छत्तीसगढ़ में हाल ही में एक नाइट पार्टी का आयोजन किया गया। छापेमारी में कई बातें उजागर हुई। पता चला कि ड्रग्स की डिमांड रायपुर के अलावा बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग और राजनांदगांव में तेजी से बढ़ी है। इसका संबंध फार्म हाऊस और रिसार्ट से भी है। दरअसल, इन पार्टियों में तेज आवाज में संगीत बजाया जाता है जिसपर नशेड़ी थिरकते हैं। इसके लिए शहर के बाहरी इलाकों में जगह तलाशी जाती है। जिन शहरों में इसकी सुविधा होती है वह टार्गेट पर होते हैं। आयोजक अपने गोपनीय क्लायंट्स को सूचना दे देते हैं और आयोजन से पहले ही पैसे इकट्ठे हो जाते हैं। पर शौक की कोई सीमा नहीं होती। दिल और भी ज्यादा मांगता है। नोएडा की एक पार्टी में विषैले सर्पों के जहर के इस्तेमाल की खबर आई। यहां संपेरों को भी इनवाइट किया गया था। लोग सांपों से डंसवाने का पैसा दे रहे थे। वैसे भी ड्रग्स पर प्रतिबंध ने केवल इसकी कीमत ही बढ़ाई है। अंटी में दम हो तो इसकी घर-पहुंच सेवा भी उपलब्ध है।

संपादकीय

भारत का समर्थन

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के प्रति समर्थन का भाव फिर उभरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां के बाद अब ब्रिटिश प्रधानमंत्री केर स्टार्मर ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया है। ध्यान रहे, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 70वें सत्र को संबोधित करते हुए स्टार्मर ने विस्तार का पक्ष लिया। फिलहाल सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य हैं- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस। इसके अलावा दस गैर-स्थायी सदस्य दो-दो साल के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं।

> *“ गैर-स्थायी सदस्य कोई भी देश बन सकता है, उसकी तय प्रक्रिया है, पर किसी देश को स्थायी सदस्य बनाने की कोई तय पद्धति नहीं है। वीटो शक्ति प्राप्त देश दूसरे देशों से मजबूत स्थिति में होते हैं। हालांकि, वीटो की शक्ति ने दुनिया का फायदा कम और नुकसान ही ज्यादा किया है। आज के समय में वीटो किसी भी बड़े निर्णय में बाधक के रूप में सामने आता है। खासकर, अगर वीटो ताकत वाला कोई देश मनमानी पर उतर आए, तो वह संयुक्त राष्ट्र को पंगु बना सकता है।*

आज दुनिया देख रही है कि संयुक्त राष्ट्र की कारगरता सिमटती चली जा रही है, क्योंकि वीटो प्राप्त कुछ देशों में साम्राज्यवादी मानसिकता का ज्वार आया हुआ है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में उचित ही कहा है कि हम परिषद में अफ्रीका, ब्राजील, भारत, जापान और जर्मनी को स्थायी सदस्य के रूप में देखना चाहते हैं। हालांकि, यह एक बड़ा सवाल है कि ऐसा कैसे होगा? भारत की सदस्यता को वीटो शक्ति प्राप्त पांच में से चार देशों का समर्थन समय-समय पर मिला है, लेकिन यहां चीन कूटनीतिक चुप्पी साध लेता है। एशिया में अकेले उसके पास ही वीटो शक्ति है और वह नहीं चाहता कि भारत या जापान जैसे प्रतिकूल रुख रखने वाले देश बराबरी पर आ खड़े हों। वैसे भी, चीन जब पड़ोसी देशों पर साम्राज्यवादी निगाह रखे हुए है, तब उसे समझाना कठिन है। इस कठिन कार्य को अंजाम तक पहुंचाने के लिए अंततः वीटो शक्ति संपन्न देशों को ही आगे आना होगा। अगर ये देश संयुक्त राष्ट्र में सुधार के लिए पहल नहीं करेंगे, तो दुनिया की यह सिरमौर संस्था अपनी आभा खोती चली जाएगी। यह आज के समय में एक दुखद तथ्य है कि जहां चीन चुप्पी साधे हुए है, वहीं अन्य वीटोधारी देश सिर्फ जुबानी जमाखर्च की औपचारिकता निभा रहे हैं।

हालांकि, सवाल तो यह भी है कि भारतीय कूटनीतिज्ञों के पास अपनी क्या योजना है? क्या हमारे विद्वान कूटनीतिज्ञों ने कोई प्लान ए और प्लान बी तैयार किया है? चीन को कैसे तैयार किया जाएगा? चीन जानता है कि युद्ध के विरुद्ध समृद्ध इतिहास रखने वाला भारत शांति का संदेश देने वाले गौतम बुद्ध का देश है। हमारे प्रधानमंत्री भी अक्सर कहते हैं कि हमने दुनिया को युद्ध नहीं दिए, बुद्ध दिया। हालांकि, ध्यान रहे, शक्तिशाली देश भावना से नहीं, व्यावहारिकता से चलते हैं। अब जब भी दुनिया में किसी को वीटो की ताकत मिलेगी, तो उसके वैश्विक महत्व और जरूरत को आंका जाएगा। क्या भारत इस दिशा में शक्तिशाली देशों से कोई संवाद कर रहा है? क्या हमने खुद को पर्याप्त मजबूत बना लिया है? निस्संदेह, दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को स्थायी सदस्यता की थाली खुद सजानी पड़ेगी, कोई और सजाकर नहीं देगा।

ज्यादा उत्पादन ज्यादा खरीदी ठीक है

सुनील दास

राज्य में किसान शुरू से बाकी फसलों की तुलना धान का उत्पादन ज्यादा करते रहे है। इसलिए राज्य की मुख्य फसल का दर्जा शुरू से धान को मिला हुआ है। पहले धान की कीमत कम मिला करती थी,इसलिए धान की खेती को घाटे का सौदा माना जाता था। राज्य की राजनीति में किसान का महत्व बढ़ने पर राजनीतिक दलों ने धान की कीमत भी बढ़ाई है और पहले से ज्यादा हर साल धान की खरीदी भी की है। इससे किसानों को धान का सबसे ज्यादा दाम राज्य में ही मिल रहा है। चाहे रमन सिंह का समय हो, भूपेश बघेल का समय हो या विष्णुदेव साय का समय हो किसानों का ज्यादा खरीदने के साथ ही उनको ज्यादा पैसा देने का पूरा प्रयास किया गया है।

राज्य में जो किसानों का साथ देता है, किसान उसका साथ देते हैं और किसान जिसका साथ देते हैं, राज्य में सरकार भी उसकी ही बनती है।रमन सिंह ने ज्यादा धान खरीदा, ज्यादा पैसा दिया तो रमन सिंह की सरकार राज्य में सबसे ज्यादा समय यानी पंद्रह साल रही। भूपेश बघेल ने चुनाव में रमन सरकार से ज्यादा पैसा देने का वादा किया तो 18 के चुनाव में किसानों ने भूपेश बघेल का साथ दिया और उनकी सरकार राज्य में बनी। पांच साल मे भूपेश बघेल को वहम हो गया या अहंकार आ गया कि राज्य में किसानों को वह सबसे ज्यादा पैसा दे रहे हैं, सबसे ज्यादा धान खरीद रहे हैं तो उनसे ज्यादा धान की कीमत कोई नहीं दे सकता,उनसे ज्यादा किसानों का धान कोई खरीद नहीं सकता।भाजपा ने चुनाव में किसानों को भूपेश सरकार से ज्यादा पैसा और ज्यादा धान खरीदने का वादा किया, बकाया बोनस देने का वादा किया और किसानों ने भाजपा का साथ दिया।

पिछले साल सीएम साय ने 3100 रुपए में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदा। राज्य में औसतन प्रति एकड़ धान का उत्पादन 18 से 20 क्विंटल होता है, इसलिए किसानों अपना पूरा धान सोसायटी में ही बेचते हैं, इससे उनको पहले की तुलना मे ज्यादा पैसा मिल रहा है।छह साल पहले 2017-18 में 56.88 लाख टन की धान की खरीदी हुई थी। 23-24 में यह बढ़कर 144.92 लाख टन हो गई है यानी तीन गुना ज्यादा धान की खरीदी हो रही है। पंजीकृत किसानों की संख्या 2017-18 में 1577332 थी जो 23-24 में बढ़कर 2685000 हो गई है। धान का रकबा 17-18 में 2446546 हेक्टेयर था जो 23-24 में बढ़कर 3351000 हो गया है। हर साल किसानों की संख्या, धान की खरीदी व धान का रकबा बढ़ता जा रहा है।

माना जा रहा है कि इस खरीफ सीजन में प्रदेश में रिकार्ड 180 लाख टन होने का अनुमान है। इसके एवज में किसानों की जेब में 50 हजार करोड़ आएंगे। पिछले साल सरकार ने 130 लाख टन खरीदी का लक्ष्य तय किया था लेकिन धान की खरीदी 144,92 लाख टन की गई थी। यानी 14 लाख टन धान की खरीदी ज्यादा की गई थी। इस बार 180 लाख टन की खरीदी का अनुमान यानी 36 लाख टन धान की ज्यादा खरीदी होगी। माना जाता है कि हर साल किसानों की संख्या कम से कम एक लाख तो बढ़ती ही है। यानी इस बार एक लाख ज्यादा किसानों ज्यादा धान बेंचेंगे और उनको ज्यादा पैसा मिलेगा। इससे निश्चित रूप से किसानों की आर्थिक हालत और सुधरेगी।

सरकार किसानों का ज्यादा धान खरीदे यह अच्छी बात है। साथ ही उसे जो धान खरीदा गया है, उसकी कस्टम मिलिंग व रखरखाव की भी अच्छी व्यवस्था की जानी चाहिए। ताकि किसानों को जो धान खरीदा गया है, वह खराब न हो। उसका राज्य और देश में सदुपयोग हो। भूपेश बघेल के समय से सरकार की कोशिश होती है कि वह पिछली बार से ज्यादा धान खरीदे भले ही उतना धान सुरक्षित रखने की व्यवस्था न हो। यही सिलसिला साय सरकार के समय भी जारी है यदि साय सरकार 36 लाख टन धान ज्यादा खरीदने की सोच रही है तो उसके रखने की व्यवस्था के बारे में सोचना चाहिए और इंतजाम करना चाहिए। किसानों का दाना-दाना खरीदना बहुत ही अच्छी बात है लेकिन किसानों के दाने-दाने का सदुपयोग हो तो यह किसानों को भी अच्छा लगेगा और राज्य के लोगों को भी अच्छा लगेगा।

(यह लेखक के विचार हैं)

नजरिया

भारतीय बाल साहित्य का भंडार इतना छोटा क्यों

दुनिया की दशा पर विचारक और राजनेता अमूमन बहस करते नजर आते हैं, लेकिन सवाल कायम है कि इसमें बदलाव हो तो कैसे? मेरा मानना है कि सार्थक बदलाव के लिए बाल-साहित्य और बच्चों को उन्हें पढ़ना, देश व नागरिक समाज को अपनी प्राथमिकता बनानी चाहिए।

कविता गुप्ता सभरवाल,
प्रमुख, नींव अकादमी

दोनों ही देश के लिए अक्षय ऊर्जा के स्रोत हैं, क्योंकि उनमें मानव-पूंजी को बढ़ाने, लोकतंत्र को सुरक्षित रखने और सॉफ्ट पावर को बढ़ाने की क्षमता है। दुर्भाग्यवश, बाल साहित्य की गुणवत्ता और बच्चों को यह कितना पढ़ना चाहिए, मुर्गी और अंडे वाली समस्या है। ठीक सबसे पहले क्या किया जाए? कुछ अलग किए बिना इस मसले का समाधान मुश्किल है।

भारत के प्रमुख लिटफेस्ट (लिटरेचर-फेस्टिवल) में बच्चों के साहित्य की उपेक्षा बताती है कि बाल-साहित्य की आपूर्ति, गुणवत्ता और उत्साह के मामले में हम कितने विपन्न हैं। यह उपेक्षा दुखद है, जबकि संस्कृति, शिक्षा व विचारों के आदान-प्रदान के मूल में यही उत्पाद और सेवाएं हैं। भारत में बाल-साहित्य का बाजार 700 करोड़ रुपये से कुछ अधिक का है, यानी एक छोटी दवा कंपनी के बराबर। वहीं, हमसे तुलनात्मक रूप से छोटे देश स्पेन और फ्रांस का बाल साहित्य बाजार भी हमसे पांच गुना ज्यादा बड़ा है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और जापान तो बहुत आगे हैं। अभी सबसे ऊपर अमेरिका का बाल-साहित्य बाजार है, हालांकि इसमें भी गिरावट आई है, बावजूद इसके यह भारत से करीब 30 गुना बड़ा है। अमेरिका में स्कूली उम्र के बच्चे बाल-साहित्य पर औसतन 20,000 रुपये खर्च करते हैं, जबकि भारत में सिर्फ 20 रुपये। हां, यह कह सकते हैं कि वहां समृद्धि अधिक है और जनसंख्या कम, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ है, जिनका अपने यहां अभाव है।

भारत में बाल-साहित्य देर से आया है और प्रिंट मीडिया, किताबों की दुकानों और पुस्तकालयों के कम होने के कारण सभी प्रारूपों में इसके लिए जगह कम रही है। यहां बच्चों को कहानी सुनाने की एक समृद्ध और विविधतापूर्ण परंपरा रही है, क्योंकि साहित्य लिखित तौर पर बताने के बजाय दादी-नानी उसे सुनाना पसंद करती हैं। मुमकिन है, इससे भी बाल-साहित्य का धीमा विकास हुआ है। यहां सामग्रियों की कमी नहीं है, दिक्कत इसे ऐसे रूप में पेश करने की है, ताकि इसकी रचनात्मकता किशोरों को आकर्षित कर सके। बच्चों में पढ़ने की प्रतिस्पर्द्धा कराकर, पुरस्कार में किताबें बांटकर, फेलोशिप देकर और बच्चों पर केंद्रित साहित्य-समारोह का आयोजन करके इस तस्वीर को बदला जा सकता है।

अपने यहां साहित्य और स्कूली पाठ्य-पुस्तकों की ब्रिकी का अनुपात 5:95 है, जो जापान की तुलना में काफी कम है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा अनुपात 90:10 है। अमेरिका में यह आंकड़ा 70:30 है, कोरिया व ब्रिटेन में 60:40। पाठ्य-पुस्तकों के प्रकाशक और वितरक मानो प्रिंटर बन गए हैं, जो लेखकों को संवारने, उनकी रचना में सुधार करने या बेहतर बनाने की दिशा में कोई काम नहीं करते। साहित्य को नजरंदाज करके सिर्फ पाठ्य-पुस्तकों पर ध्यान देने से बच्चे दुनिया के साथ रचनात्मक रूप से बहुत कम जुड़ पाते हैं। हालांकि, भारत में भाषा की राजनीति भी कोई छोटी समस्या नहीं। 20 साल के 'असर' अध्ययनों में साफ दिखता है कि पांचवीं कक्षा के 50 फीसदी बच्चे दूसरी कक्षा की पठन-सामग्रियों को भी नहीं पढ़ पाते। यहां पढ़ने की समस्या से ही समझ की समस्या उपजी है। वैश्विक स्तर पर सीखने के मानक के रूप में पीआईएसए मूल्यांकन स्थापित है और इसमें हम भाग लेने से झिझकते हैं, जो समझ में भी आता है, क्योंकि 15 साल पहले जब आखिरी बार इसमें हमने हिस्सा लिया था, तो हमारा स्थान 73 देशों में अंतिम से दूसरा था, किर्गिस्तान से ऊपर।

देखा जाए, तो रुचि और जिज्ञासा के साथ जब कोई बच्चा या किशोर पढ़ता है, तो सपने देखने, कल्पना करने और सृजन करने की उसकी क्षमता बढ़ती है, वह अपनी खिड़की से परे दुनिया को भी आत्मसात करता है। यह संचार, भाषा व रोजगार-कौशल को भी बढ़ाता है। जाहिर है, बाल साहित्य की गुणवत्ता और बच्चों का पढ़ना एक-दूसरे से जुड़ा मसला है। जब एक अच्छा करता है, तो दूसरा भी करता है और जब दोनों अच्छा करेंगे, तो भारत के कदम को रोकना नामुमकिन हो जाएगा।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

देशव्यापी बाल अश्लीलता पर न्यायालय का अंकुश

प्रमोद भार्गव

सर्वोचच न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े अश्लील वीडियो और कंटेंट डाउनलोड करने, देखने, रखने या उसे किसी को भेजने पर बाल यौन अपराध (पॉक्सो) कानून और आईटी एक्ट के तहत अपराध माना जाएगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा, अगर किसी को ऐसी सम्रगी अनजाने में भी मिली है और वह इसे डिलीट नहीं करता है तो भी पॉक्सो एक्ट की धारा-15 के तहत अपराध होगा। भले ही उस व्यक्ति ने वीडियो किसी को फॉरवर्ड नहीं किया हो। इसके साथ ही चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने उच्च न्यायालय मद्रास का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि बाल पोर्न देखना और डाउनलोड करना पॉक्सो तथा आईटी कानून में अपराध नहीं है। इस न्यायालय ने एक युवक के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले को यह कहकर निरस्त कर दिया था कि उसने बाल पोर्न डाउनलोड तो किया लेकिन किसी को भेजा नहीं था। इसके साथ ही शीर्ष न्यायालय ने देशव्यापी यौन शिक्षा कार्यक्रम चालू करने की नसीहत भी भारत सरकार को दी है। न्यायालय ने पोर्न देखने और रखने को अपराध जरूर माना है, लेकिन इससे बाल पोर्न पर अंकुश लग जाएगा, यह कहना मुश्किल है। क्योंकि पोर्न का कारोबार विश्वव्यापी है और इसके सूत्रधार अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में बैठे हुए हैं।

अंतर्जाल की आभासी व मायावी दुनिया से अष्लील सामग्री पर रोक की मांग सबसे पहले इंदौर के जिम्मेबार नागरिक कमलेश वासवानी ने सर्वोच्च न्यायालय से की थी। याचिका में दलील दी गई थी कि इंटरनेट पर अवतरित होने वाली अश्लील वेबसाइटों पर इसलिए प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ये साइटें स्त्रियों एवं बालकों के साथ यौन दुराचार का कारण तो बन ही रही हैं,सामाजिक कुरूपता बढ़ाने और निकटतम रिश्तों को तार-तार करने की वजह भी बन रही हैं। इंटरनेट पर अश्लील सामग्री को नियंत्रित करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं होने के कारण जहां इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं दर्शक संख्या भी बेतहाषा बढ़ रही है। ऐसे में समाज के प्रति उत्तरदायी सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह अश्लील प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण की ठोस पहल करें। हालांकि अब इस अपराध पर नियंत्रण के लिए पॉक्सो एक्ट और आईटी कानून में प्रावधान कर दिए गए हैं। न्यायालय ने इनमें कठोरता के नए प्रावधान भी कर दिए हैं।

वस्तुस्थिति यह है कि इंटरनेट पर अश्लीलता का तिलिस्म भरा पड़ा है। वह भी दृष्य, श्रव्य और मुद्रित तीनों माध्यमों में। ये साइटें नियंत्रित या बंद इसलिए नहीं होती, क्योंकि सर्वरों के नियंत्रण कक्ष विदेशों में स्थित हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मायावी दुनिया में करीब 20 करोड़ अश्लील वीडियो एवं क्लीपिंग चलायमान हैं, जो एक क्लिक पर कंप्युटर, लैपटॉप, मोबाइल, फेसबुक, ट्यूटर, यूट्यूब और वाट्सअप की स्क्रीन पर उभर आती हैं। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इंटरनेट पर अश्लीलता की उपलब्धता के यही हालात चीन में भी थे। परंतु चीन ने जब इस यौन हमले से समाज में कुरूपता बढ़ती देखी तो उसके वेब तकनीक से जुड़े अभियतांओं ने एक झटके में सभी वेबसाइटों को प्रतिबंधित कर दिया। गौरतलब है, जो सर्वर चीन में अश्लीलता परोसते थे, उनके ठिकाने भी चीन से जुदा धरती और आकाश में थे। तब फिर यह बहाना समझ से परे है कि हमारे आईटी विशेषज्ञ इन साइटों को बंद करने में क्यों अक्षम साबित हो रहे हैं? चीन यही नहीं रुका, उसने अब गूगल की तरह अपने सर्च-इंजन बना लिए हैं। जिन पर अश्लील सामग्री अपलोड करना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

इस तथ्य से दो आशंकाएं प्रगट होती हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाब में एक तो हम भारतीय बाजार से इस आभासी दुनिया के कारोबार को हटाना नहीं चाहते, दूसरे इसे इसलिए भी नहीं हटाना चाहते क्योंकि यह कामवर्द्धक दवाओं व उपकरणों और गर्भ निरोधकों की बिक्री बढ़ाने में भी सहायक हो रहा है। जो विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया बना हुआ है। कई सालों से हम विदेशी मुद्रा के लिए इतने भूखे नजर आ रहे हैं कि अपने देश के युवाओं के नैतिक पतन और बच्चियों व स्त्रियों के साथ किए जा रहे दुष्कर्म और हत्या की भी परवाह नहीं कर रहे ? अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और चीन से विदेशी पूंजी निवेश का आग्रह करते समय क्या हम यह शर्त नहीं रख सकते कि हमें अश्लील वेबसाइटें बंद करने की तकनीक और गूगल की तरह अपना सर्च-इंजन बनाने की तकनीक दें? लेकिन दिक्कत व विरोधाभास यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन, कोरिया और जापान इस अश्लील सामग्री के सबसे बड़े निर्माता और निर्यातक देश हैं। लिहाजा वे आसानी से यह तकनीक हमें देने वाले नहीं हैं। गोया, यह तकनीक हमें ही अपने देशज स्त्रोतों से विकसित करनी होगी।

ब्रिटेन में सोहो एक ऐसा स्थान हैं, जिसका विकास ही पोर्न वीडियो फिल्मों एवं पोर्न क्लीपिंग के निर्माण के लिए हुआ है। यहां बनने वाली अष्लील फिल्मों के निर्माण में ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने धन का निवेश करती हैं, जो कामोत्तेजक सामग्री, दवाओं व उपकरणों का निर्माण करती हैं। वियाग्रा, वायब्रेटर, कौमार्य झिल्ली, कंडोम, और सैक्सी डॉल के अलावा कामोद्दीपक तेल बनाने वाली ये कंपनियां इन फिल्मों के निर्माण में बढ़ा पूंजी निवेश करके मानसिकता को विकृत कर देने वाले कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की कंपनी भी ब्रिटेन को पोर्न फिल्में बेचती थी। यह शहर 'सैक्स उद्योग' के नाम से ही विकसित हुआ है। बाजार को बढ़ावा देने के ऐसे ही उपायों के चलते ग्रीस और स्वीडन जैसे देशों में क्रमशः 89 और 53 फीसदी किशोर निरोध का उपयोग कर रहे हैं। यही वजह है कि बच्चे नाबालिग उम्र में काम-मनोविज्ञान की दृष्टि से परिपक्व हो रहे हैं। 11 साल की बच्ची रजस्वला होने लगी है और 13-14 साल के किशोर कामोत्तेजना महसूस करने लगे हैं। इस काम-विज्ञान की जिज्ञासा पूर्ति के लिए अब वे फुटपाथी सस्ते साहित्य पर नहीं, इंटरनेट की इन्हीं साइटों पर निर्भर हो गए हैं, उनकी मुट्ठियों में मोबाइल थमाकर हम गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

अश्लीलता का अंर्तजाल

बच्चों के यौन शोषण और उससे संबंधित सामग्री को सोशल मीडिया पर परोसने और प्रसारित करने के मामले में 83 लोगों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो ने चार साल पहले बड़ी कार्यवाही की थी। देश के 14 राज्यों के 76 ठिकानों पर सघन तलाशी का अभियान चलाया था। तलाशी की इस मुहिम से पता चला था कि लगभग पूरे देष में अश्लीलता का यह जंजाल नशे के कारोबार की तरह फैल गया है। यही नहीं अनेक महाद्वीपों में फैले सौ देशों के नागरिक इस गोरखधंधे में शामिल हैं। शहर तो शहर मध्य-प्रदेश के डबरा तहसील के ग्राम अकबई में भी बाल यौन शोशण से जुड़ी अश्लील फिल्में बनाने का कारोबार मिला था। यह अत्यंत चिंता का विशय है। 31 सदस्यों का एक वाट्सएप समूह इस कारोबार का संचालन करता था।

पोर्न फिल्में बनाने और उन्हें अनेक सोशल साइट व एप्स पर अपलोड करने के मामले में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को भी मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया था। वे अश्लील फिल्में बनाने, बेचने और इससे धन कमाने के धंधे में शामिल थे। तीन महिलाओं ने उनके विरुद्ध शिकायत की थी। किराए के बंगले में राज कुंद्रा की कंपनी और उनके सहयोगी फिल्में बनाते थे। कुंद्रा की कंपनी आर्म्स प्राइवेट लिमिटेड ने हॉटशाट्स एप बनाया और इसे ब्रिटेन में एक रिश्तेदार के नाम से रजिस्टर्ड कंपनी केनरिन को बेच दिया था। कुंद्रा के साथ काम करने वाली कुछ लड़कियां अंतरराष्ट्रीय पोर्नोग्राफी गिरोह के शिंकजे में भी पाई गई थीं। इस मामले में कुंद्रा को पोर्न फिल्म रैकेट का मुख्य साजिशकर्ता माना था। इस मामले से पता चलता है कि फिल्म, टीवी, सोशल मीडिया और आईटी कंपनियों की अनेक हस्तियां इस नीले कारोबार से जुड़ी हैं।

दिल्ली में घटी एक घटना में 27 किशोर दोस्त सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम पर एक समूह बनाकर अपने साथ पढ़ने वाली छात्राओं के साथ सामूहिक बलात्कार की शड्यंत्रकारी योजना बना रहे थे। ये सभी दक्षिण दिल्ली के महंगे विद्यालयों में पढ़ते थे। और 11वीं व 12वीं के छात्र होने के साथ अति धनाढय परिवारों से थे। साफहै, स्मार्ट मोबाइल में इंटरनेट और सोशल साइटें बच्चों का चरित्र खराब करने का बड़ा माध्यम बन रही हैं और इस कारोबार में सेलिब्रिटीज शामिल हैं।

(ये लेखक के विचार हैं।)

फैक्ट चेक यूनिट मौलिक अधिकारों का हनन

आज के दौर में न्यायपालिका की ओर से ऐसा दो टूक और साहसी हस्तक्षेप कभी-कभार ही होता है। इसके बीच फैक्ट चेक यूनिट खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के ताजा फैसले को एक चमकती हुई मिसाल के रूप में देखा जाएगा।

सरकार की एजेंसी खबरों के फैक्ट चेक करे, यह सोच ही अतार्किक है। स्वाभाविक है कि ऐसी एजेंसी बनाने की सरकार की पहल को लेकर समाज में आरंभ से ही व्यग्रता देखी गई। यह आम समझ थी कि इस पहल के पीछे मंशा ऐसे तथ्यों को मीडिया से बाहर करना है, जो सरकार को असहज करने वाले हो सकते हैं। वर्तमान सरकार के दौर में फेक न्यूज और फैक्ट चेक विवादास्पद मुद्दे रहे हैं। ऐसे विवादों के क्रम में सरकार के अपने नजरिए को अक्सर एकतरफा माना गया है। इसीलिए फैक्ट चेकर यूनिट बनाने की उसकी पहल को दुर्भावनापूर्ण भी समझा गया था। अब इन सभी आशंकाओं की बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुष्टि कर दी है। उसने नए सूचना तकनीक कानून में संबंधित संशोधन को खारिज कर दिया है। सरकार के खिलाफ कथित फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए बनाई गई तथ्य-जांच इकाइयों को अदालत ने असंवैधानिक घोषित कर दिया है। अदालत ने यह उचित टिप्पणी की कि फैक्ट चेक यूनिट नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है।

आज के दौर में न्यायपालिका की ओर से ऐसा दो टूक और साहसी हस्तक्षेप कभी-कभार ही होता है। इसके बीच बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को एक चमकती हुई मिसाल के रूप में देखा जाएगा। फैक्ट चेक यूनिट बनाने की पहल को कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, न्यूज ब्रॉडकास्ट और डिजिटल एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन्स ने कोर्ट में चुनौती दी थी। पहले हाई कोर्ट की दो जजों वाली बेंच में जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस नीला के. गोखले ने अलग-अलग फैसला सुनाया। इसके बाद इस मामले को तीसरे यानी टाई ब्रेकर जज के पास भेजा गया था। तीसरे जज जस्टिस अतुल एस. चंदूरकर ने अपने निर्णय में सरकारी संशोधन को असंवैधानिक करार दिया। कहा कि यह संशोधन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 का उल्लंघन है। इस निर्णय से मीडियाकर्मियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी बड़ी राहत मिली है। फैक्ट चेक यूनिट सक्रिय हो जातीं, तो आशंका थी कि हर वैसी खबर कार्रवाई के दायरे में आ जाएगी, जिसमें सरकारी नैरेटिव हट कर अलग कहानी बताई गई हो।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

निगम भिलाई क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास का आबंटन किया जायेगा

भिलाई। शासन के प्राप्त आदेशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्मित मकानो का आबंटन हितग्राहियो को निरंतर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी एएचपी) किफायती आवास मोर मकान-मोर आस घटक के मकानों का निर्माण किया जा रहा है। नगर निगम भिलाई क्षेत्र के आवास हीन हितग्राहियो को आवास योजना के मकानो का आबंटन किया जा रहा है। जिससे नागरिको को रहने के लिए स्वयं का घर मिल सके। नगर निगम भिलाई द्वारा भिलाई शहर के अलग-अलग जगहो पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों का निर्माण किया गया है। जिसका आबंटन हितग्राहियो को मकान का निर्माण पूर्ण होने पर किया जाता है। शासन के दिशा निर्देश अनुसार हितग्राहियो से निर्धारित फार्म का वितरण एवं जमा लिया जाता है। साथ ही हितग्राहियो से संबंधित क्षेत्र के मकान के लिए 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा कराई जाती है। हितग्राहियो के दस्तावेज सत्यापन के बाद पात्र हितग्राहियो को लॉटरी पद्वति से मकान का आबंटन कर दिया जाता है। इसी तारतम्य में निगम भिलाई के 444 एवं 416 यूनिट के मकानो का आबंटन दिनांक 03.10.2024 को समय प्रातः 11:00 बजे मुख्य कार्यालय परिसर में किया जायेगा। पात्र हितग्राही अपने साथ आवश्यक दस्तावेज एवं रसीद की कापी लेकर उपस्थित होवे। जिससे लॉटरी में उन्हे शामिल कर मकान का आबंटन किया जा सके। समय का सब लोग ध्यान रखेंगे लॉटरी उनके सामने निकल जाएगी।

धमधा मे निकाली गई स्वच्छता बाईक रैली

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिला पंचायत दुर्ग के सीईओ अश्वनी देवांगन के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत मुरमुंदा से ग्राम पंचायत गोढ़ी तक स्वच्छता बाईक रैली का आयोजन किया गया। स्वच्छता बाईक रैली में 45 ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक एवं स्वच्छग्राही द्वारा प्रतिभाग किया गया। मोटर सायकल रैली का मुख्य उद्देश्य अहिवारा क्षेत्र में आने वाले विभिन्न ग्रामों में स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। इस रैली के साथ स्वच्छता रथ को भी भ्रमण कराया गया। बाईक रैली में स्वच्छता संबंधित नारे एवं गीत के माध्यम से स्वच्छता संदेश का प्रचार-प्रसार किया गया। बाईक रैली में किरण कुमार कौशिक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत धमधा, राजेन्द्र प्रसाद साहू, दूरदर्शन के एंकर, मोहित राम खरे, सरपंच ढौर, गोपीराम साहू, सरपंच गोढ़ी आदि सम्मिलित हुए। स्वच्छता बाईक रैली के अंत में ग्राम पंचायत गोढ़ी पहुंचकर सभी प्रतिभागियों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई।

रंगमंच निर्माण हेतु 3 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए नगर पालिका निगम दुर्ग में रंगमंच निर्माण के लिए 3 लाख 99 हजार 577 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। भूतपूर्व लोकसभा सांसद सुनील कुमार सोनी द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर पालिका निगम दुर्ग द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका निगम दुर्ग में राजीव बाल उद्यान आर्य नगर राधा कृष्ण मंदिर के पास रंगमंच निर्माण हेतु 3 लाख 99 हजार 577 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

प्रथम वाहिनी में अधूरे इंडोर स्टेडियम का निर्माण होगा पूरा

ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर के समापन पर सीएम साय ने किया 1 करोड़ देने का ऐलान

प्रतियोगिता में 37 मेडल के साथ बीएसएफ बनी ओवरऑल चैंपियन, छत्तीसगढ़ ने जीते 6 मैडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर (पावरलिफ्टिंग, योग एवम वेटलिफ्टिंग) का रंगारंग समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बातौर मुख्य अतिथि शामिल हुए सीएम साय ने प्रथम वाहिनी में अधूरे इंडोर स्टेडियम को पूरा करने के लिए एक करोड़ रुपए की घोषणा की। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी टीमों को पुरस्कार वितरण किया। साथ ही स्मारिका का विमोचन भी किया। प्रतियोगिता में बीएसएफ ओवरऑल चैंपियन बनी।

17 गोल्ड, 11 सिल्वर, 09 ब्रोंज के साथ बीएसएफ ने कुल 37 पदक जीते। द्वितीय राजस्थान पुलिस 12 गोल्ड एवं तृतीय 09 गोल्ड मेडल के साथ उत्तरप्रदेश पुलिस रही। छत्तीसगढ़ पुलिस ने 03 गोल्ड,02 सिल्वर, 01 ब्रोंज कुल 06 मेडल प्राप्त किए। कार्यक्रम के आयोजन सचिव अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा ने मिनी इंडिया भिलाई में प्रथम अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स क्लस्टर का आयोजन के बारे में बताकर, शारीरिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाने के लिए खेल के योगदान के बारे में बताया और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली प्रतिनिधि विनीत शर्मा के द्वारा छत्तीसगढ़ पुलिस के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए प्रतिस्पर्धा में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं खेलों के दौरान उनके उत्साह और खेलों में बढ़ती लोकप्रियता के बारे में बात कर आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डीजीपी अशोक जुनेजा ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए गौरवान्वित करने वाला क्षण है, प्रथम अखिल भारतीय पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर 2024 25 खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन कराने का अवसर मिला और हम उसमें सफल हुए जिसके लिए आयोजनकर्ताओं खेल अधिकारियों, कोच तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों का हार्दिक बधाई देकर, खेल भावना उसके प्रति समर्पण अनुशासन और मेहनत से प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करें

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर देश एवं छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन करें। सांस्कृतिक कार्यक्रम अबूझमाड़ मलखंब की शानदार प्रस्तुति के हैरततगेज प्रदर्शन देखने को मिले। एवम छत्तीसगढ़ पुलिस की महिला एवं पुरुष की संयुक्त बैग पाइपर म्यूजिक बैंड के द्वारा प्रस्तुति देखने को मिली जिसमें सिर्फ पुरुष के साथ-साथ पुलिस की महिलाएं भी शामिल थी। कार्यक्रम अंतिम पड़ाव में माननीय मुख्य अतिथि महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट कर सेनानी प्रथम वाहिनी द्वारा आभार ज्ञापन किया गया एवम कार्यक्रम के अंत में फायर शो का आनंद लिया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, दुर्ग शहर के विधायक गजेन्द्र यादव, अहिवारा के विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना सहित राज्य के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, भारतीय पुलिस कंट्रोल बोर्ड के प्रतिनिधि चेयरमेन विनीता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा, सेनानी प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र भिलाई राजेश कुकरेजा सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

सीएम साय ने की खेल के प्रति लगाव एवं समर्पण की सराहना

मुख्यमंत्री साय ने पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के खेल के प्रति लगाव एवं समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस की व्यस्ततम सेवा के बावजूद आप लोग खेल के लिए समय निकाल पाते हैं, यह अत्यंत सराहनीय है। नियमित रूप से खेल खेलने से फिटनेस अच्छी रहती है। उन्होंने कहा कि हमारा देश अनेकता में एकता का देश है, जो कि खेल के माध्यम से चरितार्थ होता है। श्री साय ने वेटलिफ्टिंग खेल हमारे शरीर की असीम संभावनाओं के बारे में हमें बोध कराता है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा राज्य में खेलो के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम छत्तीसगढ़ में खेलों की अधोसंरचना को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। हम अभी बस्तरिया ओलंपिक का आयोजन करने जा रहे हैं।

माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में शांति कायम हो रही है

सीएम साय ने कहा कि वर्षो बाद बस्तर में शांति लौट रही है और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में शांति कायम हो रही है। उन्होंने कहा कि जब शांति स्थापित होती है तो सांस्कृतिक गतिविधियां और खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती है। इसी कड़ी में हम सभी बस्तरिया ओलंपिक को लेकर बेहद उत्साहित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेल को बढ़ावा देने के लिए हमने राज्य में छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना आरंभ करने का निर्णय लिया है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए हम राज्य में लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का सेंटर आरंभ करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा फोकस सभी खेलों पर है। इसके अंतर्गत एथलेटिक अकादमी, कब्बड्डी एकादमी, तीरंदाजी अकादमी के माध्यम से इन खेलों में प्रतिभाओं को बढ़ावा देने का कार्य रहे हैं।

खेलों के विकास, संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हरसंभव प्रयास

इस मौके पर सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में खेलों के विकास तथा उसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य के खिलाड़ियों को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जा रही है। श्री साय आज भिलाई में प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर में आयोजित प्रथम अखिल भारतीय वेटलिफ्टिंग कलस्टर चैम्पियनशिप 2024-25 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रथम वाहिनी भिलाई में स्थित इंडोर स्टेडियम के अपूर्ण कार्य को पूरा करने के लिए एक करोड़ रूपए की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की।

बार एंड रॉड मिल ने उत्पादन का रचा फिर नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की उच्च स्तरीय स्वचालन और नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित मॉडेक्स इकाई बार एंड रॉड मिल ने 26 सितम्बर 2024 को 12 एमएम टीएमटी बार की रोलिंग में दैनिक उत्पादन का नया कीर्तिमान बनाया। 26 सितम्बर 2024 को बीआरएम की ऊर्जावान टीम ने 12 एमएम टीएमटी बार में 3368 टन का उत्पादन करते हुए 1635 बिलेट्स की रोलिंग की। इसी के साथ मिल ने 27 अक्टूबर 2023 को दर्ज 3330 टन, (1625 बिलेट्स) की रोलिंग के रिकॉर्ड को पार किया।

बीआरएम ने 21 सितम्बर 2024 को चुनौतीपूर्ण प्रोफाइल 10 एमएम टीएमटी बार में

2590 टन का उत्पादन करते हुए 1259 बिलेट्स की रोलिंग कर सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन का कीर्तिमान बनाया था। मिल ने 10 जुलाई 2024 को दर्ज 2580 टन रोलिंग के रिकॉर्ड को पार किया।

टीम बीआरएम की इस सफलता पर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने शीर्ष प्रबंधन की ओर से बार रॉड मिल बिरादरी और सभी संबंधित शॉप्स के सदस्यों को बधाई प्रेषित की और उन्होंने पूर्ण विष्वास प्रकट किया कि बीआरएम की यह ऊर्जावान और कृत संकल्पित टीम आने वाले सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर नये कीर्तिमान बनाते रहेगी। टीएमटी बार की रोलिंग में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए विभागाध्यक्ष व मुख्य महाप्रबंधक योगेष शास्त्री ने टीम बीआरएम और सहयोगी एजेंसियों को बधाई देते हुए कहा कि टीम के सामूहिक प्रयास, समयबद्ध मेंटेनेंस तथा सभी संबंधित शॉप्स व विभागों के सहयोग से यह रिकॉर्ड प्रदर्शन संभव हुआ है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय बीआरएम की ऊर्जावान और स्वप्रेरित टीम को दिया और आगामी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए टीम को दृढ़ संकल्पित किया। बीआरएम बिरादरी अपने सामूहिक प्रयास से वार्षिक लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेगी तथा भविष्य में आने वाली नयी चुनौतियों के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। बीआरएम ने उत्पाद की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 100 प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि को अपना लक्ष्य रखा है। विभाग, ग्राहक की मांग के अनुरूप अपने प्रक्रिया एवं कार्यविधी में सदैव ही नई तकनीकियों का समावेश करता रहा है, जिससे ग्राहकों को बेहतर एवं गुणात्मक उत्पाद प्राप्त होता रहे। भिलाई इस्पात संयंत्र के 7 मिलियन टन मॉडेक्स प्रोग्राम के तहत स्थापित अत्याधुनिक इकाई बार और रॉड मिल को स्ट्रेट बार के रूप में विभिन्न प्रकार के उत्पादों की श्रृंखला को रोल करने के लिए डिजाइन किया गया है। मिल के उत्पादों की उच्च गुणवत्ता, नेगेटिव टॉलरेंस, सुसंगत यांत्रिक गुण और अच्छी वेल्डेबिलिटी के कारण सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ग्राहकों द्वारा सराहा गया है। बार और रॉड मिल के उत्पादों का उपयोग देश के विभिन्न हिस्सों में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, तटीय सड़क परियोजनाएं, सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट, बॉर्डर रोड परियोजनाएं, बीएआरसी मुंबई सहित सुरंगों, पुलों और राजमार्गों के निर्माण में किया गया है।

बृजबिहारी मिश्र द्वारा खीची गई छायाचित्रों के संग्रह की एकल प्रदर्शनी उद्घाटित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व पर्यटन दिवस (27 सितम्बर) के अवसर पर, भिलाई इस्पात संयंत्र के सीओसीसीडी विभाग के कार्मिक बृजबिहारी मिश्र द्वारा खीची गई छायाचित्रों के संग्रह की एकल प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, सिविक सेंटर में 26 सितम्बर से 28 सितम्बर 2024 तक किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 26 सितम्बर को मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी डॉ तरूण कनरार द्वारा किया गया।

उद्घाटन के अवसर पर महाप्रबंधक बिरजू पासवान, महाप्रबंधक जेकब कुरियन, महाप्रबंधक प्रशांत तिवारी, महाप्रबंधक विष्णु पाठक, महाप्रबंधक सौमिक डे, महाप्रबंधक रेनू गुप्ता, उप-महाप्रबंधक अनन्य शर्मा, उप-महाप्रबंधक नीरजा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक सुधीर, सहायक महाप्रबंधक सचिन सहित बीएसपी के पूर्व अधिकारी ब्रिजेश उपाध्याय उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त बृजबिहारी मिश्र और उनके परिवार जन, आर्ट्स क्लब के सचिव एस डी बर्मन, आर्ट्स क्लब के सदस्य एस के नंदी, फोटोग्राफर ईश्वर

कुमार पटेल सहित इस्पात नगरी के अन्य वरिष्ठ कलाकार एवं पर्यटन प्रेमी, फोटोग्राफी प्रेमी तथा आम नागरिक उपस्थित थे।

प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात मुख्य अतिथि डॉ तरूण कनरार ने आगंतुक पुस्तिका में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रदर्शनी के आयोजन की सराहना की। आगंतुक पुस्तिका में डॉ तरूण कनरार ने लिखा कि प्रदर्शनी में लगे हुए छायाचित्र, श्री बृजबिहारी मिश्र द्वारा की गई उत्कृष्ट फोटोग्राफी को प्रदर्शित करती है। जिसमें हिमालय की ओजस्वी सुंदरता देखने को मिलती है। हम उनके आगे के एक्सप्लोरेशन के लिए उन्हें शुभकामनायें देते हैं। हम सभी आगे भी उनके फोटोग्राफी से लाभान्वित होंगे।

बृज बिहारी मिश्र द्वारा ली गई फोटो में हिमांचल, उत्तराँचल और मेघालय के पर्यटन और दार्शनिक स्थलों की मनोरम झलक देखने को मिला। बृजबिहारी मिश्र को पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, बाइक राइडिंग, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइंबिंग, स्विमिंग में विशेष रूचि है। अपने भ्रमण के दौरान उन्होंने इन सुन्दर दृश्यों को अपने कैमरे में कैद किया, जिसकी झलक इस प्रदर्शनी में देखी जा सकती है। प्राकृतिक दृश्यों की सुंदरता को दर्शाती हुई इस प्रदर्शनी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी 28 सितम्बर 2024 तक प्रतिदिन सध्या 5.30 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आम जनता के दर्शनार्थ खुली रहेगी।

मिश्र ने मोटरसाइकिल से भिलाई से मनाली के रास्ते विश्व के सबसे ऊंचे मोटरेबल रोड खारदुंगला तक की दो बार यात्रा की है। उन्होंने यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफइंडिया के साथ, डलहौजी, सरपास, सरकुंडी, संडकफू-गुरुदम, वैली ऑफफ्लावर्स, कश्मीर ग्रेट लेक ट्रेक, केदारकांठा ,डेजर्ट ट्रेक जैसलमेर, विंटर ट्रेक गोवा आदि की ट्रेकिंग भी की है। श्री मिश्र ने सतोपंथ-स्वर्गरोहिणी, मणिमहेश, गोमुख-तपोवन, आदिकैलाश, पर्वत सहित यमनोत्री धाम, गंगोत्री धाम, बाबा केदारनाथ, बद्रीविशाल, अमरनाथ सहित कई अन्य दुर्गम धार्मिक यात्राएं की है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

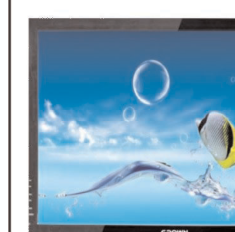

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अग्रवाल समाज का सर्व समाज के लिए विशाल डायग्नोसिस कैंप अग्रोहा धाम में कल

रायपुर (ए.)। अग्रवाल समाज के द्वारा अग्रसेन जयंती के अवसर पर सर्व समाज के लिए 29 सितंबर को अग्रोहा धाम विशाल डायग्नोसिस कैंप का आयोजन किया गया है जिसमें अग्रवाल समाज से जुड़े सभी डॉक्टर निःशुल्क अपनी सेवाएं देंगे। शिविर दोपहर को 1 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित हैं। उक्त जानकारी अग्रवाल समाज के सलाहकार कैलाश मुरारका व प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने दी।

मुरारका ने बताया कि डॉक्टर प्रकोष्ठ के संयोजक डॉक्टर कमलेश्वर अग्रवाल द्वारा तीन अक्टूबर को पूरे प्रदेश में अग्रसेन जयंती मनाया जाएगा। इससे पूर्व सभी मोहल्ला समितियों में अलग-अलग अग्रसेन जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में 29 सितंबर को अग्रवाल समाज के द्वारा विशाल डायग्नोसिस कैंप का आयोजन किया है जिसका लाभ रापुरियंस ले सकते है। ज्योति अग्रवाल ने बताया कि न्यूरोफिजिशियन में डॉ. अर्पित अग्रवाल, डेंटिस्ट डॉ. राजेश खेमका, डॉ. आशीष अग्रवाल, डॉ. जितेंद्र सराफ डॉ. प्रिया सराफ डॉ. नीरज अग्रवाल (साक्षी), डॉ. मनीष अग्रवाल, डॉ. स्तुति अग्रवाल, डॉ. प्रवेश गोयल, डॉ. पारुल अग्रवाल अपनी सेवाएं देंगी। ऑन्कोलॉजी में डॉ. सुमन मित्तल, डॉ. विकास अग्रवाल, हेमेटोलॉजी में डॉ. विकास गोयल, डॉ अम्बर गर्ग. डॉ. निहार गुप्ता, सर्जरी में डॉ. सज्जन अग्रवाल, डॉ. ऋषि अग्रवाल, डॉ. तन्मय अग्रवाल। रेडियोलॉजी में डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ. विकाश भोजसिया, डॉ. रंजना अग्रवाल, डॉ. सोनल अग्रवाल। स्त्री रोग विशेषज्ञ में डॉ. प्रीति अग्रवाल, डॉ. मूनमून अग्रवाल, डॉ. रेशू अग्रवाल, डॉ. अंजलि गुप्ता, डॉ. सुनीता कनोई। हड्डी रोग विशेषज्ञ में डॉ. आलोक अग्रवाल, डॉ. सुनील खेमका, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. दीपक अग्रवाल, डॉ. रोहित कनोई, डॉ. प्रवीण अग्रवाल, डॉ. अंकुर सिंघल, डॉ. राम खेमका, डॉ. प्रीतम अग्रवाल।

इसी प्रकार एनेस्थेटिस्ट और दर्द चिकित्सक में त्वचा विशेषज्ञ डॉ. मनोज अग्रवाल, डॉ. अंशुल, डॉ. कृतिका गोयनका, मूत्र रोग विशेषज्ञ में डॉ. नितिन गोयल, डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल, नेफ्रोलॉजिस्ट में डॉ. प्रवाश चौधरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में डॉ. भारत गुप्ता, डॉ. संजय अग्रवाल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. भारत अग्रवाल, पारिवारिक चिकित्सक डॉ. प्रदीप कुमार अग्रवाल, मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. जवाहर अग्रवाल, डॉ. मनोज अग्रवाल, डॉ. निर्मेश अग्रवाल सिंघानिया, चिकित्सक डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, डॉ. अरुण कुमार केडिया, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक अग्रवाल, बाल रोग फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. नेहा अग्रवाल (पीटी), डॉ. चानन गोयल पीएचडी, रीढ़ की हड्डी के सर्जन डॉ. विमल अग्रवाल, नेत्र सर्जन, ऑस्टियोपैथ और जोड़ों के दर्द का पुनर्वास डॉ तुषार बंसल तथा बर्न और प्लास्टिक सर्जन डॉ कमलेश अग्रवाल और डॉ अभय अग्रवाल अपनी सेवाएं देंगे।

कॉलेज में लड़कियों के लिए लगाई सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन

छत्तीसगढ़ कॉलेज रायपुर में यंग आर्म्स फाउंडेशन के इस कदम की सराहना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ कॉलेज रायपुर में आर्म्स फाउंडेशन के सौजन्य से तीन ऑटोमेटिक सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन तथा तीन इंसीनरेटर मशीन को इंस्टॉल किया गया। मुख्य अतिथि शरद अग्रवाल ने यंग आर्म्स फाउंडेशन के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि लड़कियों के जीवन में मासिक धर्म एक सामान्य और स्वाभाविक प्रक्रिया है। इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। सेनेटरी नैपकिन इसी स्वच्छता को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने बताया कि कॉलेज में ऑटोमेटिक सेनेटरी वेंडिंग मशीन लगने से तथा इसके इस्तेमाल से छात्राएं गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकती है। सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल करके लड़कियां अपने दैनिक कामों को बिना किसी बाधा के कर सकती हैं। उन्हें स्कूल, कॉलेज या ऑफिस जाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

छत्तीसगढ़ कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अमिताभ बैनर्जी ने यंग आर्म्स फाउंडेशन के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि कॉलेज की 1200 लड़कियों को इस तरह की ऑटोमेटिक मशीन की दरकार थी ताकि स्वच्छता के साथ-साथ बेझिझक वह कॉलेज में अपना अध्यापन कर सके। एक नहीं बल्कि तीन-तीन मशीन डिस्पोजेबल के साथ लगने से लड़कियों को बहुत फायदा होगा।

संस्था के डायरेक्टर पुरुषोत्तम मिश्रा ने बताया कि हेल्थ एंड हाइजीन तथा वूमेन एंपावरमेंट के लिए काम करते हुए ही संस्था आगे बढ़ रही है। सेनेटरी नैपकिन लड़कियों के लिए एक जरूरी उत्पाद हैं। ये न केवल स्वच्छता बनाए रखने में मदद करते हैं बल्कि लड़कियों को आत्मविश्वास और स्वतंत्रता भी देते हैं। इसलिए, हमें सेनेटरी नैपकिन के महत्व को समझना चाहिए और इसे सभी लड़कियों तक पहुंचाना चाहिए। सेनेटरी नैपकिन तथा इसके प्रॉपर डिस्पोजल के बारे में जागरूकता फैलाकर हम एक स्वस्थ और स्वच्छ समाज का निर्माण कर सकते हैं।

संस्था के निलेश शाह ने मुख्य अतिथि शरद अग्रवाल तथा विशेष अतिथि डॉ अमिताभ बैनर्जी जी का पुष्प कुछ से स्वागत किया । मंच का संचालन लक्ष्य टारगेट ने किया। इस महत्वपूर्ण समारोह में संस्था के सह चेयरमैन प्रसाद मेहर, प्रोग्राम कन्वीनर गौतम झा, पूर्व चेयरमैन हेमंत यादव, जतिन झारिया, नीरज टोप्पो उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ कॉलेज की तरफ से डॉक्टर शिल्पी, ममता, डॉ अरुणा ठाकुर तथा बहुत सारे स्टूडेंट उपस्थित थे।

नल जल योजनाः घर-घर में पहुंचाया जाए नल कनेक्शन : बृजमोहन

योजनाओं का सही क्रियान्वयन व पारदर्शिता बेहद आवश्यक है, जिससे कि जनता का विश्वास बना रहे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में नल जल योजना के तहत हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने की बात सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कलेक्टोरेट परिसर के रेड क्रॉस में आयोजित जिला पंचायत की समान्य सभा में कही। इस बैठक में उन्होंने जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और ठेकेदारों के बीच समन्वय बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। जल हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। इस योजना के तहत हमें सुनिश्चित करना है कि हर परिवार को शुद्ध और पर्याप्त जल उपलब्ध हो। उन्होंने ठेकेदारों को चेतावनी दी कि यदि वे अपने कार्य को समय पर पूरा नहीं करते हैं, तो उन्हें गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि योजनाओं का सही क्रियान्वयन और पारदर्शिता बेहद आवश्यक है, जिससे कि जनता का विश्वास बना रहे। सांसद ने कहा, कि ऐसे शालाओं की सूची तैयार की जाए, जिसमें अनिवार्य विषय गणित, जीवविज्ञान, साइंस और आर्टस संचालित नहीं है। इसके लिए शासन को पत्र लिखकर इन विषयों को पढाया जा सके। इसके अलावा बीज निगम द्वारा टंडवा ग्राम पंचायत में बीज निगम द्वारा अमानक बीज की सप्लाई को लेकर सांसद श्री अग्रवाल ने 106 किसानों को नियमानुसार मुआवजे और बीमा की राशि दिए जाने साथ दोषियों पर कार्रवाई का निर्देष दिया। बैठक में जैविक खेती को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि जैविक खेती से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद है। उन्होंने कृषि विभाग से आग्रह किया कि वे किसानों को जैविक खेती के तरीकों के बारे में जागरूक करें और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करें।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने ठेकेदारों की कार्यप्रणाली पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा हमारे जिले में कई ठेकेदार हैं जो अपने कार्य को अधूरा छोड़ देते हैं। ऐसे ठेकेदारों को तुरंत ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए। निगरानी की जाए और जो लोग अपने दायित्वों का पालन नहीं कर रहे साथ ही जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर आबकारी विभाग के अधिकारियों को कहा कि अवैध शराब की ब्रिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए। इसके लिए पुलिस विभाग की मदद से ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जाए। जो इसमें संलिप्त पाए जाते हैं। विधायक गुरू खुशवंत साहेब ने भी नलजल योजना का सुचारू रूप से क्रियान्वयन करने की बात कही। साथ ही जैविक खेती पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को जैविक खेती के लाभों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए हमें कार्यशालाएं आयोजित करनी चाहिए और सफल जैविक किसानों के अनुभव साझा करने चाहिए।

सामान्य सभा में जिले में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान यह स्पष्ट किया गया कि योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करना अनिवार्य है। अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान के लिए उपाय भी प्रस्तुत किए। मुख्यतौर पर महिला बाल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, क्रेडा, खाद्य,खनिज सहित अन्य विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। आंगनबाडी केंद्रों में रेडी टू ईट, जर्जर स्कूल भवन, जर्जर सडकों के मरम्मत व एनीकटों पर गेट लगाने को लेकर प्रस्ताव रखे गए। सामान्य सभा में मौजूद जिला पंचायत सदस्यों ने सांसद विधायक और अधिकारियोंके समक्ष विकास के लिए सुझाव रखे। जिसे जनप्रतिनिधियों ने नियमानुसार पूरा करने का आश्वासन दिया। सामान्य सभा में जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, जिले के जिला पंचायत सदस्य सहित जिले के ज्यादातर विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मिलेगी मनपसंद शराब? सरकार का नया एप 'मनपसंद' देगा जवाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शराब प्रेमियों के लिए एक राहत की खबर है। अब शराब खरीदने वालों को अपनी पसंद का ब्रांड न मिलने पर निराश नहीं होना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ सरकार का आबकारी विभाग एक नया मोबाइल एप्लिकेशन लाने की तैयारी में है, जिसके जरिए ग्राहक आसानी से जान सकेंगे कि उनके नजदीकी सरकारी दुकान में कौन सा ब्रांड उपलब्ध है।

पिछले कुछ समय से राज्य के शराब प्रेमियों को यह शिकायत थी कि उन्हें उनके मनपसंद ब्रांड की शराब, बीयर या माल्ट नहीं मिल रही है। लेकिन अब आबकारी विभाग इस समस्या को हल करने के लिए तैयार है। सूत्रों के अनुसार, इस एप का नाम 'मनपसंद' रखा गया है और इसे छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसाइटी (CHiPS) द्वारा विकसित किया जा रहा है।

राजस्व में कमी की चिंता

आबकारी विभाग के सूत्रों का कहना है कि दुकानों में सभी ब्रांड न मिलने से न केवल ग्राहकों को परेशानी हो रही है, बल्कि इससे सरकार के राजस्व में भी गिरावट आ रही है। सरकार को आबकारी राजस्व के रूप में हर साल हजारों करोड़ रुपये मिलते हैं, और यह लक्ष्य अब लगभग दोगुना करने का है। हाल ही में राज्य की आबकारी टीम द्वारा बिलासपुर जिले की शराब दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें सामने आया कि ग्राहकों की पसंदीदा शराब ब्रांड उपलब्ध न होने के कारण बिक्री में गिरावट आ रही है।

ऐप से होगी ब्रांड की जानकारी

जल्द लॉन्च होने वाला एप यह जानकारी प्रदान करेगा कि किस दुकान में कौन से ब्रांड उपलब्ध हैं। इससे ग्राहकों को आसानी होगी और वे बिना किसी असुविधा के अपनी पसंदीदा शराब खरीद सकेंगे। इस ऐप के जरिए बिक्री में पारदर्शिता आएगी और ग्राहकों के साथ दुकानदारों की मनमानी नहीं चल पाएगी।

सूत्रों का यह भी कहना है कि राज्य में अगले कुछ दिनों में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित अन्य राज्यों से बड़ी मात्रा में शराब और बीयर मंगाई जा रही है, जिससे उपलब्धता में सुधार होगा।

महाराष्ट्र से उड़ान भर कर आए गिद्ध को किया रेस्क्यू

सफलतापूर्वक पुनर्वासित कर सके इसलिए प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन्यजीव संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, महाराष्ट्र से उड़ान लेकर महासमुंद जिले में रेस्क्यू किए गए एक वाईट रुम्पड गिद्ध को सफलतापूर्वक पुनर्वासित कर उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ा गया, यह प्रयास बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) और ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व द्वारा भारत में संकटग्रस्त वाईट रुम्पड गिद्ध की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए शुरू की गई एक बड़ी पहल का हिस्सा था।

इस कार्यक्रम के तहत, पिंजौर से 10 वाईट रुम्पड गिद्ध को स्थानांतरित किया गया और उन्हें जियो-ट्रैकिंग डिवाइस से लैस कर जंगल में छोड़ा गया। इनमें से एक गिद्ध, जिसका वजन 4.7 किलोग्राम था 13 अगस्त 2024 को छोड़े जाने के बाद लगभग 500 किलोमीटर की यात्रा कर चन्द्रपुर से उड़कर इंद्रावती टाइगर रिजर्व, कांकेर जिले से होता हुआ वह महासमुंद के जंगलों में पहुंचा।

निगरानी दल ने देखा कि गिद्ध एक स्थान पर एक दिन से अधिक समय तक स्थिर रहा, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों को सतर्क किया गया। नवा रायपुर स्थित जंगल सफारी के वन्यजीव अधिकारियों और पशु चिकित्सकों ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए 26 अगस्त को महासमुंद के बागबाहरा रेंज से गिद्ध को रेस्क्यू किया। गिद्ध थकावट और पानी की कमी से पीड़ित था, जिसके बाद उसे जंगल सफारी के रेस्क्यू सेंटर में चिकित्सा देखभाल प्रदान की गई। 2-3 सप्ताह में पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद, गिद्ध को जंगल में लौटने के लिए स्वस्थ्य पाया गया।

मुख्य वन संरक्षक (CCF) श्रीमती सतोविशा समझदार, जंगल सफारी के निदेशक-सह-DFO धमशील गणवीर, STR के निदेशक वरुण जैन, और अन्य प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति में, जिसमें वन्यजीव पशु चिकित्सक डॉ. राकेश वर्मा भी शामिल थे, गिद्ध को सफलतापूर्वक उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया। इस बचाव और पुनर्वास प्रयास के लिए जंगल सफारी के निदेशक धमशील गणवीर ने गिद्ध को रेस्क्यू और रिलीज़ के लिए पंकज राजपुत वन मण्डल अधिकारी महासमुंद, बीएनएचएस के वैज्ञानिक डॉ. काजवीन और बर्ड काउंट इंडिया के हकीमुद्दीन का निरंतर समर्थन की सराहना की एवं पूरे जंगल सफारी टीम को इसके लिए बधाई दी है।

आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में 2046 बच्चों का किया स्वर्णप्राशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों के व्याधिक्षमत्व, पाचन शक्ति, स्मरण शक्ति, शारीरिक शक्तिवर्धन एवं रोगों से बचाव के लिए शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय, रायपुर में 2046 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया। विभिन्न रोगों से रोकथाम और इम्युनिटी बढ़ाने 560 बच्चों को पांच दवाईयों से बने बाल रक्षा किट का भी वितरण किया गया। स्वर्णप्राशन के साथ ही डॉ. लवकेश चंद्रवंशी ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है।

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय परिसर में आयुष विभाग की संचालक सुश्री इफ्फत आरा, प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.आर. चतुर्वेदी, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार जोशी और कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज अग्रवाल के निर्देशन में स्वर्णप्राशन कराया गया। स्वर्णप्राशन समन्वयक डॉ. लवकेश चन्द्रवंशी ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यह काफी लाभदायक है। महाविद्यालय के कौमारभृत्य विभाग की व्याख्याता डॉ. सत्यवती राठिया तथा स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्र-छात्राएं हर महीने स्वर्णप्राशन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय द्वारा इस वर्ष की अन्य पुष्य नक्षत्र तिथियों 25 जनवरी को 1235, 21 फरवरी को 1420, 18 मार्च को 1720, 16 अप्रैल को 1410, 13 मई को 1256, 10 जून को 1802, 8 जुलाई को 1342, 3 अगस्त को 1370 और 30 अगस्त को 1660 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया था।

आंसू कंट्रोल करना पड़ सकता है भारी, हो सकती है यह खतरनाक बीमारी

आंसू आना एक नेचुरल प्रक्रिया है, जो भावनाओं के जरिए शरीर से बाहर निकलती है। खुशी, गम, दर्द, या किसी भी भावना के समय आंखों से आंसू बहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आंसूओं को रोकना, यानी उन्हें जबरदस्ती कंट्रोल करना, आपकी हेल्थ के लिए हानिकारक हो सकता है आइए जानते हैं यहां कैसे

आंसू रोकने के नुकसान

जब हम आंसू रोकते हैं, तो हमारा शरीर मानसिक और शारीरिक तनाव में आ जाता है। आंसू निकलने से शरीर को राहत मिलती है और भावनाओं का संतुलन बना रहता है। लेकिन अगर आंसूओं को जबरदस्ती रोका जाए, तो इससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है, जिससे अवसाद (डिप्रेशन) या चिंता (एंग्जायटी) जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

हो सकती है खतरनाक बीमारी

आंसू रोकने से न केवल मेंटल हेल्थ पर असर पड़ता है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि आंसूओं को जबरदस्ती रोकने से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, और अन्य शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

आंसू बहने देना है जरूरी

अगर आपको रोने का मन है, तो आंसू बहने दें। यह न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि आपके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। आंसू बहाने से भावनात्मक तनाव कम होता है, और शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं, जिससे आप हल्का महसूस करते हैं। इसलिए अगली बार जब आपको रोने का मन हो, तो आंसूओं को रोकने की कोशिश न करें। अपने भावनाओं को खुलकर जीने दें, ताकि आप स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें।

रोना कमजोरी की निशानी नहीं

रोना कमजोरी की निशानी नहीं है, बल्कि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जो हमारी भावनाओं को बाहर लाने का माध्यम है। जब हम रोते हैं, तो हमारा शरीर तनाव और भावनात्मक बोझ से मुक्त होता है। रोना दिखाता है कि हम इंसान हैं, जो भावनाओं को महसूस करते हैं। यह साहस की बात है कि हम अपनी भावनाओं को स्वीकार करते हैं और उन्हें व्यक्त करने से नहीं डरते। रोना हमें मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है, क्योंकि यह तनाव को कम करता है और मन को हल्का करता है। इसलिए, रोने से न शर्माएं, यह आपकी भावनात्मक ताकत का प्रतीक है।

रश्मिका मंदाना ने लहंगे में चुरा ली सारी लाइमलाइट

कातिलाना अंदाज देख होश खो बैठे मोहन

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को अपनी ओर रिझाना बखूबी जानती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही छा गई हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना हमेशा अपने लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं। उनका स्टनिंग लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने सिल्वर कलर का सिजलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आ रही हैं। कजरारी आखें, न्यूड लिप्सटिक लगाकर और कानों में झुमकें पहन कर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

श्मिका मंदाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्दी ही सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा 2' में नजर आने वाली है।

अनन्या पांडे की फिल्म सीटीआरएल से पहला लुक जारी, विंटेज स्कूल गर्ल बन जीत रहीं दिल

अनन्या पांडे इन दिनों बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स कर रही हैं। हाल ही में उनकी सीरीज 'कॉल मी बे' रिलीज हुई थी जिसे दर्शकों का पॉजिटिव रिस्पांस मिला। अब अनन्या ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'सीटीआरएल' से अपना लुक रिवील कर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इस अपकमिंग फिल्म में अनन्या पांडे विंटेज स्कूल गर्ल वाइब्स देती नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना पहला लुक शेयर किया। उनकी इन फोटोज पर फैंस ने खूब प्यार लुटाया है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई इन फोटोज में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर2' एक्ट्रेस चेकर्ड स्वेटर के साथ ब्राउन स्कूल स्कर्ट पहने दिख रही हैं।

अनन्या पांडे ने चोटी में आधे बंधे बालों को साथ अपने लुक को पूरा किया है। उनका हेयर स्टाइल उनके आउटफिट के वाइब को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहे हैं, जिसे उन्होंने काले मोजे और ट्रेंडी प्लेटफॉर्म शूज के साथ पूरा किया है।

'सीटीआरएल' विक्रमादित्य मोटवानी और अविनाश संपत द्वारा लिखित और निर्देशित एक अपकमिंग थ्रिलर फिल्म है, जिसके संवाद सुमुखी सुरेश द्वारा लिखे गए हैं। निखिल द्विवेदी और आर्य मेनन द्वारा प्रोड्यूस इस फिल्म में अनन्या और विहान समत हैं। इसके साथ ही फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी नजर आएंगे। यह फिल्म 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

उन्होंने हाल ही में कॉलिन डी'कुन्हा द्वारा निर्देशित कॉमेडी सीरीज 'कॉल मी बे' से अपना वेब सीरीज डेब्यू किया है। इसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी हैं। यह प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है।

वॉर-2 के सेट से लीक हुआ ऋतिक और कियारा का रोमांटिक सीन

ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी इस समय इटली में वॉर 2 की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग की कई तस्वीरें और वीडियो पहले ही वायरल हो चुके हैं। तस्वीरों के एक सेट में ऋतिक और कियारा इटली की सड़कों पर हाथों में हाथ डाले घूमते और प्यारे पल बिताते नजर आ रहे हैं। ऋतिक ने वायरल वीडियो में जींस के साथ व्हाइट टी-शर्ट के ऊपर ब्लू शर्ट पहनी हुई है वहीं कियारा पिंक ड्रेस में खूबसूरत लग रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक वॉर 2 के इस गाने को प्रीतम ने बनाया है जिसे वेनिस, टस्कनी, लेक कोमो, नेपल्स, अमाल्फी कोस्ट और सोरेंटो जैसी खूबसूरत लोकेशन पर शूट किया जाएगा। वॉर 2 की शूटिंग अक्टूबर 2023 में शुरू होगी। ऋतिक कियारा के इस वायरल वीडियो पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा- वॉव ऋतिक और कियारा की जोड़ी कितनी प्यारी लग रही है। एक ने कमेंट किया- मैं ऋतिक और कियारा को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने के लिए बेताब हूं। एक ने कमेंट किया- वॉर 2 का बेसब्री से इंतजार है।

यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई ऋतिक और टाइगर स्टारर वॉर का सीक्वल है जो हिट रही थी। सीक्वल में, ऋतिक और आरआरआर स्टार जूनियर एनटीआर आमने-सामने होंगे। इस फिल्म से एनटीआर अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन देखने को मिलेगा क्योंकि दोनों सितारे बड़े पर्दे पर एक्शन हीरो की इमेज से जाने जाते हैं। कुछ दिनों पहले, ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे इटली के खूबसूरत नजारों को एंजॉय कर रहे हैं। वॉर 2 में ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी अहम रोल प्ले करते नजर आएंगे।

अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ने पियानो पर छेड़ी जब हैरी मेट सेजल के हवाएं की धुन

अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ने पियानो पर हवाएं की मधुर धुन बजाते हुए मंत्रमुग्ध कर देने वाले एक वीडियो से दर्शकों का मन जीत लिया। शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा अभिनीत रोमांटिक कॉमेडी जब हैरी मेट सेजल में दिखाया गया यह गाना आकांक्षा की संगीत प्रतिभा और कला के प्रति जुनून को दर्शाता है।

2017 की फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया में किरण की भूमिका के लिए जानी जाने वाली आकांक्षा ने इंस्टाग्राम पर एक आकर्षक रील वीडियो शेयर किया।

क्लिप में वह एक काले रंग की हॉल्टर नेक टॉप और मैचिंग स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने अपने घुंघराले बालों को एक बन में खूबसूरती से स्टाइल किया है। अभिनेत्री को इसमें पियानो पर हवाएं की धुनों को खूबसूरती से प्ले करते हुए सुना जा सकता है।

34 वर्षीय अभिनेत्री ने वीडियो को कैप्शन देते हुए लिखा, जब मेरी उंगलियां कीबोर्ड पर नाचती हैं, तो मैं एक ऐसी दुनिया में खो जाती हूं, जहां शांति का राज होता है, मूल्य महसूस होता है और उद्देश्य मिलता है।

आकांक्षा ने एक थिएटर कलाकार के रूप में अपनी शुरुआत की और 2012 में कलर्स टीवी के शो ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा से स्क्रीन पर नजर आई। उन्होंने 2017 में बद्रीनाथ की दुल्हनिया से अपने फिल्मी करयिर की शुरुआत की।

सिंह ने 2017 में मल्ली रावा से तेलुगु फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद वह देवदास, पैलवान और रनवे 34 जैसी फिल्मों में नजर आईं।

वह वेब सीरीज रंगबाज: डर की राजनीति में सना का किरदार निभा रही हैं। आकांक्षा वेब शो परंपरा एस्केप लाइव और मीट क्यूट में भी नजर आ चुकी हैं।

उन्हें पिछली बार जियोसिनेमा के लिए संतोष सिंह द्वारा निर्देशित युद्ध ड्रामा सीरीज रणनीति-बालाकोट एंड बियॉन्ड में देखा गया था। इस सीरीज में आशुतोष राणा, आशीष विद्यार्थी, जिमी शेरगिल, लारा दत्ता, मीर सरवर, प्रसन्ना, सिकंदर खरबंदा और अन्य कलाकार हैं। दिवा अगली बार तेलुगु फिल्म षष्ठीपूर्ती में नजर आएंगी।

बॉडी कंटूरिंग कराने की सोच रहे हैं जानें, यह आपकी हेल्थ के लिए कितना खतरनाक है

बॉडी कंटूरिंग, यानी शरीर के आकार को सुधारने की प्रक्रिया, आजकल काफी लोकप्रिय हो रही है। लोग तेजी से इस सर्जरी का सहारा ले रहे हैं ताकि वे अपने शरीर के कुछ हिस्सों को सुडौल बना सकें। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह प्रक्रिया आपकी हेल्थ के लिए कितनी खतरनाक हो सकती है अगर आप भी बॉडी कंटूरिंग कराने की सोच रहे हैं, तो इससे पहले आपको इससे जुड़े जोखिमों के बारे में जानना जरूरी है।

सर्जिकल रिस्क्स (सर्जरी के जोखिम)

बॉडी कंटूरिंग एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जिसमें शरीर के कुछ हिस्सों से चर्बी हटाई जाती है या त्वचा को कसाव दिया जाता है। इस सर्जरी में आपको कई साइड इफेक्ट्स का सामना करना पड़ सकता है। इनमें संक्रमण, खून का बहना (ब्लीडिंग), और घाव का ठीक न होना शामिल हैं। कभी-कभी सर्जरी के बाद शरीर में दर्द और सूजन भी हो सकती है, जो कई दिनों तक रह सकती है।

एनस्थीसिया के खतरे

सर्जरी के दौरान एनस्थीसिया दिया जाता है, जिससे आप बेहोश हो जाते हैं और दर्द महसूस नहीं होता। हालांकि, एनस्थीसिया के अपने खतरे होते हैं, जैसे कि एलर्जी रिएक्शन, सांस लेने में दिक्कत, या ब्लड प्रेशर का गिरना। ये समस्याएं कभी-कभी जानलेवा भी हो सकती हैं।

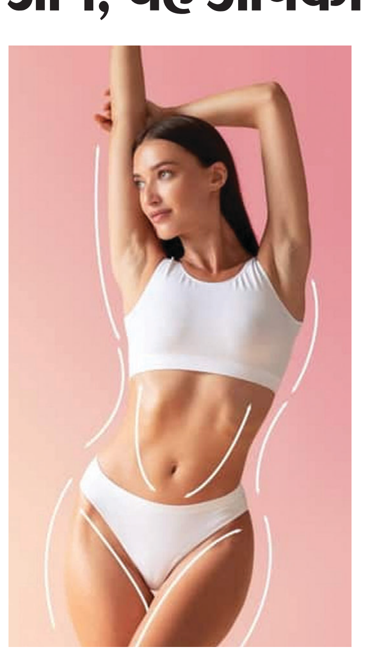

सर्जरी के बाद की जटिलताएं

सर्जरी के बाद रिकवरी का समय काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान आपको आराम की जरूरत होती है, लेकिन इसके बावजूद कुछ जटिलताएं हो सकती हैं। इनमें घाव का सही से ठीक न होना, त्वचा का असमान रह जाना, और सूजन जैसी समस्याएं शामिल हैं। कभी-कभी बॉडी कंटूरिंग के परिणाम उम्मीदों के मुताबिक नहीं होते, जिससे मानसिक तनाव भी हो सकता है।

लंबे समय तक चलने वाले प्रभाव

बॉडी कंटूरिंग से जुड़े कुछ प्रभाव लंबे समय तक रह सकते हैं।।जैसे कि त्वचा पर निशान, शरीर में सूजन, या त्वचा का असमान रंग। इसके अलावा, अगर सर्जरी के बाद आपने अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव नहीं किया, तो वज़न वापस बढ़ सकता है, जिससे फिर से समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

आर्थिक बोझ

बॉडी कंटूरिंग की प्रक्रिया महंगी होती है और इसमें शामिल सभी खर्चे (सर्जरी, अस्पताल का खर्च, और बाद की देखभाल) आपकी जेब पर भारी पड़ सकते हैं। इसके अलावा, अगर किसी कारणवश परिणाम सही नहीं आते हैं, तो आपको फिर से सर्जरी करानी पड़ सकती है, जो आर्थिक बोझ को और बढ़ा सकती है।

विश्व पर्यटन दिवस पर सीएम साय की बड़ी घोषणा

उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिवर्ष राज्योत्सव में मिलेगा पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय यहां नवा रायपुर के एक निजी होटल में विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केटप्लेस कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने आगामी वर्ष से राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को प्रतिवर्ष राज्योत्सव के अवसर पर पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की। सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केटप्लेस कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ टूरिस्म बोर्ड और छत्तीसगढ़ ट्रेवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश के पर्यटन विभाग का सूत्रवाक्य अतिथि देवो भव: है। इस कार्यक्रम में जुटे सभी अतिथियों का मैं इसी भाव से अभिनंदन करता हूँ। विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर आज छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन द्वारा सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लस कार्यक्रम का सुंदर आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी ने इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अपने सुंदर विचार रखे। छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए आए आपके उपयोगी सुझावों पर विचार कर हम इन्हें अमल में लाएंगे। यह हमारे लिए बहुत गौरव की बात है कि भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने इस साल देश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांवों की सूची में हमारे बस्तर के डूडमारास गांव को एडवेंचर टूरिज्म तथा चित्रकोट गांव को कम्युनिटी बेस्ट गांव की सूची में पहला स्थान दिया। सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव की सूची में सरोधादादर को जगह मिली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में तीर्थ स्थलों के जीर्णोद्धार एवं अधोसंरचना विकास के लिए लाई गई प्रसाद योजना के माध्यम से मां बम्लेश्वरी का तीर्थ डोंगरगढ़ नये सिरे से सज संवर रहा है। ट्राइबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत तेरह टूरिस्ट डेस्टिनेशन में ईको एथनिक पर्यटन की थीम पर पर्यटन सुविधा विकसित की गई है।छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के द्वारा चित्रकोट बस्तर में वन विभाग के सहयोग से नेचर ट्रेल का विकास किया गया है। इसका संचालन स्थानीय महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा किया जा रहा है। इससे उन्हें आजीविका भी मिल रही है।

इस वर्ष की थीम, पर्यटन एवं शांति

सीएम साय ने कहा कि विश्व पर्यटन संगठन द्वारा इस वर्ष की थीम, पर्यटन एवं शांति निर्धारित की गई है। वैश्विक स्तर पर संघर्ष और विभाजन के माहौल में इस थीम की बहुत प्रासंगिकता है। शांति के साथ सतत विकास की दिशा में सामाजिक और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में पर्यटन की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। पूरी दुनिया में सतत एवं रिस्पांसिबल टूरिज्म पर जोर दिया जा रहा है ताकि हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी निरंतर ठोस कदम बढ़ा सकें। बस्तर में टूरिज्म बढ़ेगा तो प्राकृतिक सुंदरता को भी सहेजने में मदद मिलेगी। इनसे हजारों लोगों के आजीविका का अवसर भी पैदा होगा।

ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक और प्राकृतिक धरोहरों का प्रदेश

हमारा राज्य ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक और प्राकृतिक धरोहरों के साथ गौरवशाली प्राचीन लोक संस्कृति का भी अद्वितीय उदाहरण है। देश के ऐसे बहुत कम राज्य हैं जो कि प्रकृति द्वारा इतने समृद्ध हैं जितना कि हमारा छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य का एक बड़ा भाग सघन वनों से घिरा हुआ है। शानदार जलप्रपातों से लेकर मुग्ध कर देने वाले वन्यजीव अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान तक आप जिस भी आकर्षण के बारे में सोचेंगे वह सब आपको छत्तीसगढ़ में देखने को मिलेगा। राज्य में पर्यटन गतिविधियों के बढ़ने से स्थानीय समुदाय को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। हमारी कोशिश है कि पर्यटन को स्थानीय गतिविधियों और अनुभव के साथ जोड़कर रोजगार के अवसरों को और अधिक विस्तारित किया जाए। छत्तीसगढ़ राज्य में प्राकृतिक रुप से वाइल्ड लाइफटूरिज्म, एग्री टूरिज्म, मेडिकल टूरिज्म, रुरल टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, वॉटर टूरिज्म आदि की अपार संभावनाएं हैं।

पांच शक्तिपीठ को जोड़ते हुए कर रहे सर्किट विकसित

हम राज्य में पांच शक्तिपीठ को जोड़ते हुए सर्किट विकसित कर रहे हैं। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत बिलासपुर और जगदलपुर डेस्टिनेशन के पर्यटन स्थलों का विकास होगा। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना से पर्यटन स्थलों में पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी। इस योजना के तहत देश के चयनित मुख्य स्थलों में जशपुर जिले के मयाली लोकेशन का भी चयन किया गया है।मुझे पूरा विश्वास है कि इस आयोजन में आप सबकी सहभागिता से छत्तीसगढ़ राज्य के पर्यटन विकास की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ेगा और हमारा राज्य वैश्विक पर्यटन के मानचित्र में अपना विशेष स्थान दर्ज करेगा।

कॉफी टेबल का विमोचन

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ टूरिस्म बोर्ड द्वारा हिंदी भाषा में प्रकाशित कॉफी टेबल का विमोचन किया गया।छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने आईआरसीटीसी और छत्तीसगढ़ टूरिस्म बोर्ड के मध्य एमओयू भी संपादित किया गया तथा डाक विभाग द्वारा पोस्ट कार्ड का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कलिंगा यूनिवर्सिटी में आयोजित फोटोग्राफी, लेखन, क्विज और रील्स प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केटप्लेस कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, पर्यटन विभाग के सचिव अन्बलगन पी, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य, निदेशक डाक सेवाएं छत्तीसगढ़ सर्कल दिनेश मिस्त्री, छत्तीसगढ़ ट्रेवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल जैन सहित मध्य भारत के पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

भोरमदेव अभ्यारण्यः तितली सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। भोरमदेव अभ्यारण्य में दिनांक 27 से 29 सितम्बर तक होने वाले तितली सम्मेलन का शुभारंभ आज दिनांक 27.09.2024 को आचार्य पंथ श्री गृंधमुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा स्थित आडोटोरियम में हुआ है।

वनमंडलाधिकारी कवर्धा शशि कुमार से प्राप्त जानकारी के अनुसार भोरमदेव अभ्यारण्य के परिक्षेत्रों में तितलियों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में पंजीकृत प्रतिभागियों के द्वारा ग्रुप बनाकर भोरमदेव अभ्यारण्य क्षेत्र के चिन्हांकित ग्रामों में तितलियों सर्वेक्षण किया जायेगा। भोरमदेव अभ्यारण्य में तितलियों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भोरमदेव अभ्यारण्य क्षेत्र एवं उसके समीप के ग्रामों में उपयुक्त स्थल एवं हितग्राहियों का चयन कर नेक्टर एवं होस्ट ट्री का रोपण किया जायेगा। नेक्टर ट्री तितलियों अपना भोजन प्राप्त करती है तथा होस्ट ट्री में अण्डा देती हैं। इस प्रकार दोनों पौधा के रोपण से तितलियों की संख्या एवं रहवास क्षेत्र में वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर निम्नानुसार कार्यक्रम/विमोमन किया गया:-

भोरमदेव अभ्यारण्य का नवनिर्मित प्रतीक चिन्ह (ऑरेंज ओकलीफतितली) के लोगो का विमोचन। भोरमदेव अभ्यारण्य की भव्यता, सुन्दरता एवं जैव विविधता को प्रदर्शित करने हेतु वेबसाईट को विमोचन। तितली के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए तितली तिहार किसाब का विमोचन। तितली तिहार किताब के विमोचन के अवसर पर बिरजू एवं देवगुण बैगा ग्राम तुरैयाबहरा को माननीय सांसद महोदय के द्वारा नेक्टर एवं होस्ट ट्री वितरित किया गया। कवर्धा के इको टूरिज्म स्थल को बढ़ावा देने जो यहां के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक धरोहरों को प्रदर्शित करता है जिसमें 15 टेर्क्रकिंग रूट की पहचान की गयी है, काफीटेबल बुक का विमोचन। कवर्धा के टूरिज्म स्थल को बढ़ावा देने जो यहां के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक धरोहरों को प्रदर्शित करता है, मानचित्र का विमोचन।

कक्षा पहली से बारहवीं तक के बच्चों का बनवाये जाति, निवास प्रमाण पत्र-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिलेवासियों को विभिन्न योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने व्यक्तिमूलक योजनाओं का शत प्रतिशत सेचुरेशन करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं के अंतर्गत पर्याप्त पात्रता परीक्षण कर जरूरतमंदों को निश्चित रूप से लाभ दिलाये। उन्होंने कक्षा पहली से बारहवी तक के बच्चों का जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि अभी तक जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनाने से वंचित बच्चों का स्कूल एवं ग्रामवार सर्वे किया जाए। साथ ही ऐसे बच्चों का आंकड़ा संकलित कर आय, जाति प्रमाण पत्र बनवाने की कार्यवाही करें। जिससे बच्चों को छात्रवृत्ति एवं अन्य शासकीय योजनाओं का आसानी से लाभ मिल सकेगा। कलेक्टर ने खाद्य विभाग को पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड एवं उज्जवला योजना अंतर्गत गैस कनेक्शन से लाभान्वित करने के निर्देश दिये। पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत परम्परागत कारीगरों का पंजीयन एवं प्रशिक्षण सुनिश्चित करने को कहा। श्रम विभाग को 18 से 60 वर्ष के श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्ति करने के निर्देश दिये। शिक्षा विभाग को पीएम पोषण योजना का सुचारू क्रियान्वयन तथा शत प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य विभाग को टीकाकरण, जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान कार्ड एवं टीबी जांच आदि सुनिश्चित करने कहा। विद्युत विभाग को शत प्रतिशत घरों में विद्युतीकरण की सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिये।

सेवा भाव से जिले में कार्य कर जरूरतमंदों तक पहुँचाना है चिकित्सा सहायता : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। इंडियन रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कहा कि सेवा भाव से जिले में कार्य करते हुए जरूरतमंदों तक चिकित्सा सहायता पहुँचाना इंडियन रेडक्रास सोसायटी के सभी सदस्यों का दायित्व है। हमें सभी जरूरतमंदों तक समय पर मदद पहुँचाकर मानवता का प्रसार करना है। कलेक्टर चन्द्रवाल ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इंडियन रेडक्रास सोसायटी जिला बालोद के वार्षिक बैठक में उपस्थित सोसायटी के पदाधिकारियों और सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रेडक्रास सोसायटी द्वारा जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। जो कि रेडक्रास सोसायटी की बेहतर सक्रियता को प्रदर्शित करता है।

उन्होंने जिले में ऐसे ही विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर सेवा भाव से कार्यक्रम में सभी सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक की शुरुआत इंडियन रेडक्रास सोसायटी की प्रार्थना से हुई जिसके पश्चात् रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष श्री चन्द्रवाल ने उपस्थित सभी सदस्यों को अपने और दूसरों की स्वास्थ्य की देखभाल करने, दु:खी लोगों की सहायता करने, विशेष तौर से बच्चों और वृद्धों और दुनिया के सभी बच्चों की सहायता करने की प्रतिज्ञा दिलाई।

बैठक में सोसायटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विभिन्न एजेंडो पर बिंदुवार चर्चा भी की। जिसमें सदस्यता अभियान, आय-व्यय की जानकारी, फंड राईजिंग, यूथ रेडक्रास के गठन, जिला प्रबंधन समिति के गठन, समस्त शासकीय-अशासकीय शालाओं में जूनियर रेडक्रास का संचालन, पॉलिटेक्निक कॉलेज और सभी आईटीआई में रेडक्रास के गठन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना पूरे राज्य में होगी लागू : लखनलाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ श्रमिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए में कर्मचारी राज्य बीमा योजना को पूरे राज्य में लागू होगी। श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की अध्यक्षता में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की क्षेत्रीय परिषद की बैठक में बिलासपुर में 100 बिस्तर नया अस्पताल प्रारंभ करने, रायपुर एवं कोरबा के अस्पतालों को 100 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन और लारा एवं खरसिया के अस्पतालों को जल्द प्रारंभ करने सहित अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

श्रमिकों को कैंसर, किडनी जैसे गंभीर रोगों के ईलाज के लिए औषधालयों से सीधे अनुबंधित निजी अस्पतालों में कैशलेस रेफरल की सुविधा भी मिलेगी। बिलासपुर में नया 100 बिस्तर अस्पताल के लिए राज्य सरकार द्वारा जल्द भूमि उपलब्ध कराएगी।

बीमित व्यक्तियों एवं नियोक्ताओं की सुविधा के लिए कोरबा, रायगढ़ और बिलासपुर के क्षेत्रों को मिलाकर कर्मचारी राज्य बीमा निगम का उप क्षेत्रीय कार्यालय प्रारंभ करने का प्रस्ताव का बैठक में अनुमोदन किया गया है। रायपुर एवं कोरबा के अस्पतालों को तीन माह के भीतर 50 बिस्तर से बढ़ाकर 100 बिस्तर किए जाने और लारा एवं खरसिया के अस्पतालों को नवंबर माह तक प्रारंभ करने का भी निर्णय लिया गया है। भिलाई एवं रायगढ़ के 100 बिस्तर अस्पतालों में मरीजों की भर्ती के लिए वार्ड मेटरनिटी वार्ड, एक्सरे, ऑपरेशन थयेटर तथा लैबोरेटरी की सुविधा प्रारंभ करने, कोरबा और रायपुर के अस्पतालों में आने के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कोविड राहत योजना के तहत 386 बीमित व्यक्तियों के दावों को स्वीकृति दी गई तथा मार्च 2024 तक 16.21 करोड़ रूपए की राशि का भुगतान किया गया।

इसी प्रकार उद्योगों एवं संस्थाओं के पंजीकृत बीमित व्यक्तियों को बीमारी हित लाभ, स्थायी अपंगता पर पेंशन मातृत्व अवकाश, अन्त्येष्टि व्यय आदि पर वर्ष 2023-24 में 33.04 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। बैठक में उपाध्यक्ष, क्षेत्रीय परिषद, एवं सचिव श्रम विभाग, अलरमेलमंगई डी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक महेंद्र भोई, क्षेत्रीय परिषद के सदस्य सचिव डॉ रचिता विश्वास, क्षेत्रीय बीमा आयुक्त रांची (पूर्वी क्षेत्र) तथा क्षेत्रीय परिषद के सदस्य सर्वश्री हरीश केडिया, डी. के. अग्रवाल, एल. पी. कटकवार शामिल थे।

गुड गवर्नेंस के गतिविधियों के क्रियान्वयन के संबंध में कार्यशाला

बालोद। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत गुड गवर्नेन्स के गतिविधियों के क्रियान्वयन के संबंध में कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. कन्नौजे ने परिवार रोजगार कार्ड का सत्यापन एवं अद्यतन, केश रिकार्ड, कार्य नस्ती का संधारण, नागरिक सूचना पटल बनाने, सात प्रकार पंजियों का संधारण करने के निर्देश समस्त कार्यक्रम अधिकारी एवं तकनीकी सहायक को दिए। उन्होंने जनपद स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित कर समस्त ग्राम रोजगार सहायक को प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही महात्मा गांधी नरेगा के प्राथमिकता के कार्य, सेग्रीगेशन शेड, आंगनबाड़ी निर्माण कार्य सहित विशेष प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में गुणवत्तायुक्तढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान डॉ. कन्नौजे ने सेग्रीगेशन शेड निर्माण कार्य में विलंब होने पर समस्त कार्यक्रम अधिकारी एवं संबंधित तकनीकी सहायक को कारण बताओ सूचना जारी कर 03 दिवस के भीतर कार्य पूर्ण कराते हुए स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उक्त प्रशिक्षण में जिला स्तरीय सहायक परियोजना अधिकारी, शिकायत समन्वयक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी एवं तकनीकी सहायक उपस्थित थे।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

बिरनपुर में चाकूबाजी की घटना, एक की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

कबीरधाम। जिले के बिरनपुर में शुक्रवार देर शाम बवाल हो गया। सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिरनपुर गांव में चाकूबाजी की वारदात हुई है। इसमें एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल है, जिसे सहसपुर लोहारा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि यहां दो पक्ष में आपसी विवाद के बाद यह वारदात हुई है।

इस वारदात के बाद कुछ लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला अस्पताल कवर्धा ले जाया गया। देर शाम को गांव में पुलिस बल भेजे गए हैं। गांव के ही एक आदतन शराबी और मानसिक विक्षिप्त युवक ने हमला किया है। इस हमले में 1 की मौत, 3 गंभीर रूप से घायल है। गांव में तनाव की स्तिथि है। आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया जा रहा है।

अरपा नदी में डूबा भाजपा कार्यकर्ता 24 घंटे बाद 15 किमी दूर मिला शव

बिलासपुर। अरपा नदी के तेज बहाव में आकर लापता भाजपा कार्यकर्ता का शव बरामद कर लिया गया है। वो 15 किलोमीटर दूर बह गया था। एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की तलाश में 24 घंटे बाद उसकी लाश मिली। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है।

बता दें दोमुहानी निवासी युवक राकेश धीरज (26) भाजपा का कार्यकर्ता था। गुरुवार को वह अपने रिश्तेदार के दशगात्र में शामिल होने गया था। अरपा नदी में नहाने के दौरान उसका पैर फिसल गया और तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही तोरवा पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच कर एनिकट के आसपास युवक की तलाश की। शुक्रवार शाम को मस्तूरी क्षेत्र के पाली गांव के पास युवक के शव को बहते देख कर लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से रस्सी से बांध कर शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने लाश को पीएम के लिए भेज दिया है।

डिप्टी रेंजर पर हमला करने वाले 17 आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

कबीरधाम। जिले के पंडरिया में वन विकास निगम के डिप्टी रेंजर गणेश चन्द्रवंशी पर जानलेवा हमला करने वाले रेत माफियाओं पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। डिप्टी रेंजर को दौड़ा-दौड़ा कर मारने का प्रयास करने वाले 17 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खास बात है कि पकड़े गए आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 109(1), 121(1), 132, 190, 191(2), 191(3), 221, 296, 351(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

पकड़े गए आरोपियों में कमलेश उम्र 20, दशरथ कुमार धुर्वे उम्र 18,भगवान सिंह उम्र 20,बल्लू उर्फ ऐहरू पिता भोभा राम कोसरिया उम्र 24, संतराम उम्र 28, केजू बैगा उर्फ तुलसी राम उम्र 31, मुखीराम उम्र 24,परसू उर्फ परमेश्वर उम्र 22, सरवनं पिता भुवन सिंह परस्ते उम्र 18, शिवलाल पिता घुरऊ टेकाम उम्र 21,टिड्डू राम पिता समारू धुर्वे उम्र 38 सभी निवासी ग्राम डालामौहा थाना कुकदुर, राजेश कुमार पिता भंवर सिंह ओट्टी उम्र 23 निवासी ग्राम परसेलखार थाना कुकदुर, सालिकराम पिता रामचंद धुर्वे उम्र 45,पंचूराम पिता प्रभू तिलगाम उम्र 33,आशिक पिता सुशील धुर्वे उम्र 19 निवासी पंडरीखार थाना पंडरिया इस वारदात में शामिल थे।

सुने मकान में सेंधमारी: बदमाशों ने घर के बर्तनों पर किया हाथ साफ, तीन गिरफ्तार

उतई थाना क्षेत्र का मामला, आरोपियों से चोरी का मशरुका बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में तीन शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीनों बदमाशों ने यहां के एम सूने मकान में सेंधमारी की थी। बदमाशों ने घर में जो सामान मिला उसे उठाकर ले गए। एलईडी टीवी, हांडी, परात व अन्य सामान चुरा ले गए। घर के लोग घर वापस पहुंचे तो उन्हें चोरी की बात पता चली। इस मामले में उतई थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का मशरुका बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार 25 सितंबर को नरेन्द्र देवांगन निवासी ग्राम डुण्डेरा ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। या उसने अपनी शिकायत में बताया कि 20 सितंबर की रात 8 बजे अपने घर में ताला लगाकर सहपरिवार ग्राम जोरातराई अपने माता पिता के पास गया था। दूसरे दिन सुबह 6 बजे घर वापस आया तो घर के सभी सामान बिखरा पड़ा था। चोरी की शंका होने पर घर को चेक किया तो घर के सीमेंट सीट व रोशनदान की खिड़की तोड़कर चोर घुसे। घर में रखे एलईडी टीवी, सेटअप बाक्स, बर्तन एवं ब्रेकर मशीन चोरी हो गए। रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305, 317(5), 3(5) बी.एन.एस. कायम कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर कामेश्वर उर्फ विक्की मरकाम पिता धनेश मरकाम (28), सलीम महिपाल पिता इन्दरू महिपाल (29) को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किये। दोनों आरोपियों ने बताया कि चोरी किए बर्तन को बेचने के लिए रितेश कुर्रे को दिये हैं। इसके बाद पुलिस ने रितेश कुर्रे पिता बंशीलाल (29) को हिरासत में लिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर 1 एलईडी टीवी 42 इंच, 1 नग ब्रेकर मशीन, 1 नग सेटअप बाक्स, 1 नग पीतल का हण्डा, 1 नग पीतल का बड़ा परात, 3 नग पीतल का छोटा परात, 1 नग पीतल का लोटा, 1 नग कांसा का लोटा, 1 नग पीतल का बटलोही कीमती 50 रुपए बरामद किया गया। तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उतई निरीक्षक विपिन रंगारी, एएसआई नेमन सिंह साहू, प्रधान आरक्षक महेश देवांगन, आरक्षक भूपेन्द्र साहू, कृष्णा बंजारे, मुकेश यादव की सराहनीय भूमिका रही हैं।

2.30 लाख की चोरी, 2 आरोपी गिरफ्तार, 13 हजार ही बरामद

बालोद। शहर के अजय चश्मा, जींस एंड शर्ट कलेक्शन दुकान में चोरी का मामला पुलिस ने सुलझा दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

बता दें दुकान में घुसकर 21 सितंबर की रात 2.30 लाख चोरी मामले में पुलिस ने 150 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद जवाहरपारा निवासी मोहसिन खान, पुरूषोत्तम सारथी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 13 हजार रुपए नकद व अन्य सामान बरामद किया है। चोरी के बाद घर जाते समय कुत्ते भौंककर दौड़ाने लगें। जिसके चलते हड़बड़ी में जेब के पैंट, शर्ट के अंदर रखे पैसा कहीं गिर गया। पकड़े जाने की डर से दोबारा पैसा को नहीं उठा पाए। दुकान संचालक भूषण साहू की रिपोर्ट पर एफआईआर हुआ था।

दुष्कर्म के आरोपी और उसके साथी को कोर्ट ने सुनाई कारावास की सजा

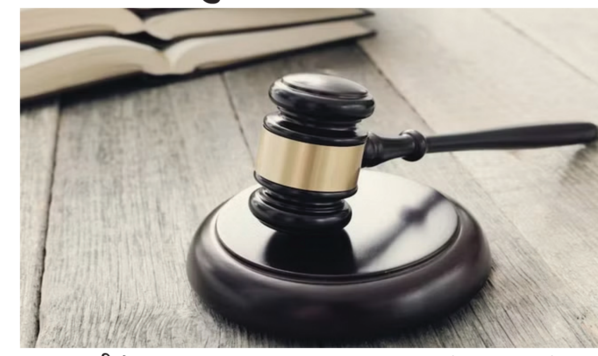

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिले में कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी अमन सिंह राठौर उम्र (19) को 20 साल की सजा सुनाई है। आरोपी का अपराध में साथ देने वाले साथी निखिल राठौर (19) को कोर्ट ने तीन साल सश्रम कारावास की सजा दी है। आरोपी अमन राठौर ने नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर उसे विवाह का झूठा प्रलोभन देकर राजकोट गुजरात ले जाकर दुष्कर्म किया था।

पूरा मामला मई 2022 का गौरेला थाना का है। यहां दुष्कर्म के आरोपी अमन सिंह राठौर उम्र (19) और उसका साथी निखिल राठौर (19) निवासी भदौरा गौरेला के रहने वाले हैं। आरोपी अमन राठौर नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर उसे विवाह का झूठा प्रलोभन देकर राजकोट गुजरात भगाकर ले गया था और पीड़िता का शारीरिक शोषण करता रहा। दुष्कर्म के आरोपी के साथी निखिल राठौर ने इस वारदात में आधी रात को नाबालिग को घर से भगाने में साथ दिया था। गौरेला पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय पेश किया था।

सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष अपर सत्र न्यायाधीश किरण थवाईत ने सुनावई करते हुए दुष्कर्म के आरोपी अमन राठौर और इस वारदात में उसके साथी निखिल राठौर को सजा सुनाई है। आरोपी को भारतीय दंड सहिंता की धारा 363 में तीन वर्ष का सश्रम कारवास और 500 रुपये के अर्थदंड, धारा 366 में पांच वर्ष का सश्रम कारावास और 500 रुपये के अर्थदंड के साथ धारा 5-सहपठित धारा 06 लैंगिक अपराध बालक संरक्षण अधिनियम 2012 के अपराध में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदंड के साथ सजा सुनाई गई है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को भगा ले गया बदमाश, पुलिस ने भेजा जेल

■ **चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का मामला, नाबालिग सकुशल बरामद**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की पुलिस ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने वाले आरोपी को रायपुर से पकड़कर दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट के धाराओं में गिरफ्तार करते हुए शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार चक्रधरनगर पुलिस ने थाना क्षेत्र से लापता हुई नाबालिक बालिका को आज रायपुर के उरला थाना क्षेत्र से बरामद करते हुए रायगढ़ लाया गया है। पुलिस ने बालिका को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले आरोपी शिवम निषाद 27 साल को दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट के धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

परिजनों ने 30 अप्रैल को लिखाई थी रिपोर्ट

गुम बलिका के पिता ने 30 अप्रैल को थाना चक्रधरनगर में बालिका के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिस पर धारा 363 आईपीसी का अपराध कायम कर बालिका के वारिसानों एवं सहेलियों से पूछताछ कर जानकारी ली गई। जांच दौरान जानकारी मिली कि उनके मोहल्ले में किराये के मकान में रहकर ड्रायवरी का काम करने वाला युवक शिवम निषाद भी गायब है। तत्काल चक्रधरनगर पुलिस द्वारा शिवम निषाद के निवास स्थान

ग्राम गीरसा, थाना सरायपाली जिला महासमुंद में दबिश दिया गया। शिवम निषाद अपना मोबाइल बंद कर फरार था। उसके परिजनों को हिदायत दिया गया कि शिवम के संपर्क करने पर तत्काल सूचित करें, चक्रधरनगर पुलिस द्वारा गोपनीय रूप से मुखबीर भी तैनात किया गया था।

रायपुर में पकड़ाया शिवम

इसी बीच मुखबिर द्वारा संदेही शिवम निषाद के बालिका के साथ उरला, रायपुर में होने की जानकारी पर तत्काल थाना प्रभारी ने सहायक उप निरीक्षक नंद कुमार सारथी, प्रधान आरक्षक महेंद्र कर्ष को रायपुर रवाना किया गया। संदेही शिवम को आजाद नगर, उरला में एक किराए मकान में पकड़ा गया जिसके कब्जे से अपहृत बालिका की बरामद की गई। बालिका का महिला पुलिस अधिकारी से कथन कराया गया जिसमें उसने शादी का वादा कर भगा ले जाना बताई। इस दौरान बालिका को इलाहाबाद और असम ले जाना बताई, जहां उसके साथ शिवम जबरन शारीरिक संबंध स्थापित किया है। बालिका का मेडिकल, कथन पश्चात प्रकरण में धारा 366, 376 आईपीसी 4, 6 पॉक्सो एक्ट जोड़कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

शिकारी खुद हुआ शिकार: जंगली सुअर को मारने बिछाया था 11 केवी का जाल, खुद ही फंस गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शिकार के लिए जंगल में करंट का जाल बिछाना शिकारी के लिए भारी पड़ गया। अपने ही बिछाए जाल में शिकारी खुद ही फंस गया। चौंकाने वाला यह मामला कोरबा जिले का है। जिले के गोढ़ी जंगल में जंगली सुअर व अन्य जानवरों का शिकार करने शिकारी ने 11 केवी का जाल बिछाया और खुद ही उसकी चपेट में आ गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। सूचना के बाद वन विभाग की टीम व पुलिस मौके पर पहुंची और घटना को विवेचना में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह लगभग 9 बजे कुछ ग्रामीण गोढ़ी जंगल में पुटु तोड़ने गए थे। इस दौरान उनकी नजर बिजली के तार से पास लाश पर पड़ी। यह देख ग्रामीण डर गए और वहां से निकलकर इसकी सूचना गांव के सरपंच को दी। सरपंच ने घटना की सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिसने पहले शव की शिनाख्त कराई। शव की शिनाख्त गोढ़ी निवासी रामलाल कंवर के रूप में हुई।

बताया जा रहा है कि रामलाल कंवर गांव के अन्य लोगों के साथ जंगली सुअर का शिकार करने गया हुआ था। शिकार करने के लिए जंगल से गुजरे 11 केवी लाइन से जंगल में जाल बिछाया। इस दौरान वह खुद ही इसकी चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद उसके साथ गए अन्य लोग वहां से भाग गए। पुलिस ने बताया कि रामलाल शादीशुदा था और उसकी उसकी पत्नी और तीन बेटियां हैं। वह इंडस्ट्रियल एरिया के दाना फैक्ट्री में मजदूरी का काम करता था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

बकरी चराने गई बच्ची पर भालू ने किया हमला, चेहरे और पीठ को बुरी तरह नोचा

मरवाही (ए.)। जिले में लगातार भालू के हमले के मामले सामने आ रहे हैं। मरवाही वन मंडल के गांव में शाम को बकरी चराने गई 13 साल की बच्ची पर अचानक भालू ने हमला कर दिया। भालू के हमले से बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल वन विभाग और पुलिस मौके पर पहुचकर जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, मरवाही वन परिक्षेत्र के बेलझिरिया के ग्राम डोंगरा की रहने वाली 13 साल की बच्ची दिव्या केंवट पुत्री विहान लाल केवट बकरी चराने गई थी। इस दौरान भालू ने उस पर हमला कर दिया। उसके चेहरे, पीठ, को नोच दिया। बच्ची के परिजन बच्ची को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही पहुंचे पर वहां पर जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

सुकमा में दो नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

■ **हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद**

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले में लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत जवानों ने नक्सलियों के मंसूबे को नाकाम किया। जानकारी के अनुसार थाना चिंतलनार क्षेत्र अंतर्गत नक्सल विरोधी अभियान के दौरान दो नक्सलियों को एक पाइप बम और एक भरमार बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों गिरफ्तार नक्सली थाना चिंतननार क्षेत्र के है निवासी हैं। नक्सलियों को गिरफ्तार करने में जिला बल, डीआरजी एवं 206 वाहिनी कोबरा की रही है।

जिला सुकमा में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर थाना चिंतलनार से जिला बल, डीआरजी एवं 206 कोबरा वाहिनी की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन के लिए ग्राम गड़गड़मेटा, मुकरम व आसपास जंगल क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे कि अभियान के दौरान ग्राम मुकरम छोटा नाला के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा हाथ में जूट के बोरी तथा हाथ में कपड़ा से लिपड़ा हुआ लेकर सुरक्षाबलों की पार्टी को देखकर लुकते/छिपते हुए भागने लगे, जिन्हें सुरक्षा बलों द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पकड़े गए नक्सलियों में माड़वी भीमा (50) करकनगुड़ा थाना चिंतलनार जिला सुकमा व कवासी बंडी (45) करकनगुड़ा थाना चिंतलनार शामिल हैं।

माड़वी भीमा के कब्जे में रखे जूट के बोरी की तलाशी लेने पर एक पाइप बम वजनी लगभग 10 किग्रा. तथा कवासी बंडी के कब्जे में रखे साड़ी में लिपटा हुआ, एक नग भरमार बंदूक बरामद किया गया। आरोपियों से बरामद पाइप बम, भरमार बंदूक के रखे जाने के संबंध में गहन पूछताछ करने पर नक्सल संगठन में मिलिशिया सदस्य का काम करना तथा मौका देखकर पुलिस पार्टी को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से रखना बताया।

लाखों की चोरी का खुलासा, नाबालिग समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

■ **धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का मामला, एक आरोपी अभी भी फरार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की पुलिस ने सुने मकान से लाखों की चोरी की घटना को अंजाम देने वाले एक अपचारी बालक समेत तीन आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल कर ली है। आरोपियों ने चोरी किये गए सामानों को एक खेत में छिपाकर रखा था, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बरामद कर लिया है। इस मामले में अभी एक आरोपी फरार है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के पतरापारा निवासी महावीर प्रसाद ने 24 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि उनके सुने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने घर की आलमारी से सोने

का सिक्का, जेवरात जिसमें बाली, मंगलसूत्र, कंगन आदि शामिल हैं और नकदी लगभग 45 हजार रुपये समेत कुल 2 लाख 80 हजार रुपये की संपत्ति चोरी कर ली।

रिपोर्टकर्ता ने बताया कि वे 08 सितंबर को अपनी नतनीन का जन्मदिन मनाने राजनांदगांव गए थे और 24 सितंबर की शाम जब वे घर लौटे, तब चोरी की जानकारी हुई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी और थाना प्रभारी निरीक्षक कमला पुसाम ठाकुर अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर डॉग स्क्वॉड की मदद भी ली।

धरमजयगढ़ थाना प्रभारी कमला पुसाम ने सक्रिय मुखबिरों से जानकारी जुटाकर थाना क्षेत्र के संदिग्धों और पूर्व के अपराधियों से पूछताछ की। इसी क्रम में आदतन अपराधी सागर सारथी उर्फ चेमे उम्र 21 वर्ष, निवासी तुर्रापारा को हिरासत में लिया गया। कड़ी पूछताछ के बाद सागर ने अपने साथियों, रोहन सारथी उर्फ विपुल सारथी उम्र 18.6 वर्ष, निवासी तुर्रापारा और एक अपचारी बालक के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

आरोपी सागर सारथी ने अपने बयान में बताया कि चोरी की नकदी में से उसने 2000-2000 रुपये अपने दोनों साथियों को दिया, जबकि चोरी किये गए सोने के जेवरातों को बिक्री के लिए अपने साथी सुमीत उर्फ सर्किट निवासी घरघोड़ा को नकदी 7 हजार के साथ दिया है और चोरी किए गए चांदी के जेवरातों को उसने तुर्रापारा के एक खेत में छिपा दिया था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सागर सारथी आदतन अपराधिक प्रवृति का युवक है और उसके खिलाफ पहले भी चोरी और मारपीट के कुल 5 मामले थानों में दर्ज हैं।

खेत में मिला चोरी गया सामान

बरसात के बावजूद थाना प्रभारी कमला पुसाम और उनकी टीम ने खेत में छिपाए गए चोरी के सामान को बरामद किया, जिसमें 1 चांदी की चूड़ी, 1 जोड़ा चांदी की पायल, 1 चांदी का छोटा शिवलिंग, 1 चांदी का त्रिशूल, और 1 चांदी का छल्ला, जिसकी कुल कीमत लगभग 13 हजार है। साथ ही, आरोपी सागर सारथी से 1000 नकद भी जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि अन्य दोनों आरोपियों को दबिश देकर हिरासत में लिया गया जिनसे भी चोरी में हिस्सेदारी के 2000-2000 रुपये बरामद कर लिए गए हैं। आरोपी सुमीत उर्फसर्किट अपने घर से फरार है, धरमजयगढ़ पुलिस सरगर्मी से आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

फाइलों में धूल खा रहे इंदिरा मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग प्रोजेक्ट को सीएम साय की हरी झंडी

- साईंस कॉलेज से दुर्ग रेलवे स्टेशन केनाल रोड सड़क चौड़ीकरण
- चण्डी मंदिर से नया पारा चौक तक सड़क चौड़ीकरण की घोषणा
- शहर के प्रमुख चौराहों पर होगा पिंक शौचालय का निर्माण

दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में 23 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग नगर के वार्ड नंबर-03 मठपारा में आयोजित विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में दुर्ग के इंदिरा मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण, साईंस कॉलेज से रेलवे स्टेशन केनाल रोड सड़क चौड़ीकरण, चण्डी मंदिर से नया पारा चौक तक सड़क चौड़ीकरण की घोषणा की। उन्होंने नगर के प्रमुख चौराहों में महिलाओं के लिए पिंक शौचालय के निर्माण की घोषणा की। सांसद एवं स्थानीय विधायक की मांग पर मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में दुर्ग नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत 22 करोड़ 97 लाख रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार गांवों के साथ-साथ शहरों के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। आज दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में एक साथ लगभग 23 करोड़ रूपए की लागत के कार्यों का एक साथ भूमिपूजन किया गया, यह विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की झलक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर विश्वास करके आम जनता ने हमें सरकार बनाने का मौका दिया। जनता ने हमें जो आशीर्वाद दिया है, मैं उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए आया हूं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बीते 9 माह पर नजर डालें तो राज्य सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए कम समय में बहुत से उल्लेखनीय काम किए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरमंद परिवारों के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 18 लाख घरों का निर्माण किया जाएगा। महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए महतारी वंदन योजना के तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 हजार रूपए की दर से वार्षिक 12 हजार रूपए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा किया गया है। प्रदेशवासियों को रामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या धाम यात्रा करायी जा रही है। जिसका लाभ छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा विकास कार्यों का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग नगर क्षेत्र में लगभग 23 करोड़ रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इन कार्यों में 1 करोड़ 98 लाख 39 हजार रूपए लागत के उरला में खेल मैदान का विकास कार्य, 88 लाख 47 हजार रूपए लागत के सड़क सुरक्षा हेतु राजेन्द्र पार्क चौक में विकास कार्य, 1 करोड़ 66 लाख 02 हजार रूपए लागत के विभिन्न स्थानों में वृक्षारोपण कार्य, 1 करोड़ 35 लाख 41 हजार रूपए लागत के विभिन्न वार्डों में 8 स्थानों पर डामरीकरण व 1 स्थान पर पेवर ब्लॉक, 1 करोड़ 99 लाख 43 हजार रूपए लागत के गया नगर 33 के.वी. पावर स्टेशन के पास डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्वसमाज मांगलिक भवन निर्माण कार्य, 49 लाख 98 हजार रूपए लागत के वार्ड क्रमांक 15 सतनाम भवन आयुर्वेदिक अस्पताल के पीछे सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य, 8 करोड़ 33 लाख रूपए लागत के शहर के विभिन्न वार्डों में कुल 59 कार्य (सड़क, नाली पुलिया निर्माण), 2 करोड़ 72 लाख 37 हजार रूपए लागत के वार्ड क्रमांक 32 शिक्षक नगर में वाटर सप्लाई पार्ट ए एवं बी, 25 लाख रूपए लागत के राजेन्द्र पार्क चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापना, 50 लाख रूपए लागत के गोंडवाना भवन के प्रथम तल में अतिरिक्त हॉल निर्माण कार्य, 2 करोड़ 14 लाख रूपए लागत के विधायक निधि अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य तथा 65 लाख रूपए लागत के प्रभारी मंत्री निधि अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य का भूमिपूजन शामिल है।

विकास कार्यों से हम गदगद- सांसद

सांसद विजय बघेल ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि दुर्ग शहर के लिए यह सौभाग्य की बात है कि मुख्यमंत्री द्वारा लगभग 23 करोड़ रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय की सरकार छत्तीसगढ़ में लगातार विकास के कार्य कर रही है। उनकी सराहना करते हुए हम गदगद हो जाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने दुर्ग एवं भिलाई नगर में ऑडिटोरियम निर्माण एवं महिलाओं के लिए पिंक सुलभ शौचालय की मांग की। स्थानीय विधायक गजेन्द्र यादव ने अपने स्वागत उद्बोधन में नगर के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। साथ ही इंदिरा मार्केट में मल्टीलेवल पार्किंग और साईंस कालेज के पीछे केनाल रोड निर्माण की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने विकास कार्यों के भूमिपूजन के लिए नगरवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

साय की अगुवाई में हो रहे सांय-सांय काम- साव

कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने की। सांसद विजय बघेल, विधायक गजेन्द्र यादव एवं विधायक रिकेश सेन विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज का यह अवसर बहुत इन्तजार के बाद आया है। प्रदेश में नगरों के विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी। 43 करोड़ 67 लाख के 167 कार्य पहले ही स्वीकृत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आज दुर्ग वासियों को बहुत बड़ी सौगात मिली है। इसके लिए उन्होंने दुर्ग वासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब से सभी काम सांय-सांय हो रहा है। सरकार के नेतृत्व में नगरीय विकास कार्यों के लिए राशि जारी की जा रही है। सबका साथ, सबका विकास के ध्येय के साथ बिना भेदभाव से योजना बनाकर उनका क्रियान्वयन किया जा रहा है। हमारा प्रदेश स्वच्छ व सुंदर बने इस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

सीएम साय ने 90' का किस्सा सुना राजस्व अमले को दिया बड़ा संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मैं साल 1990 में नया-नया विधायक बना, तब साधु की तरह दिखने वाले लंबी कद काठी का एक व्यक्ति मेरे पास आवेदन लेकर आया। वे मेरे जन्म यानी साल 1964 से राजस्व के एक मामले को लेकर राजस्व कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे। उन्हें अपने मामले की सारी जानकारियां याद थी और कागज पलटने तक की जरूरत नहीं पड़ती थी।

मैं उन्हें अपनी गाड़ी से एसडीएम कार्यालय लेकर गया और मामले का निराकरण कराया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निवास कार्यालय में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान यह प्रसंग सुनाया और कहा कि हमें राजस्व अमले की पूरी व्यवस्था को दुरुस्त करना है। राजस्व विभाग सीधे आम आदमी से जुड़ा है और हमें इसकी छवि सुधारने के लिए काम करना है। बैठक में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लंबे समय से एक ही जगह पर पर जमे हुए पटवारियों को हटाया जाए और एक ऐसी व्यवस्था तैयार करें जिसमें नियत समय के बाद पटवारी का अनिवार्य रूप से उस हल्के और तहसील क्षेत्र से स्थानांतरण हो जाए। उन्होंने कहा कि आम जनों को दैनिक सरकारी कामकाज में पटवारी के सहयोग की जरूरत पड़ती है। श्री साय ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पटवारी अपने मुख्यालय में रहकर कार्य करें, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के विभिन्न शासकीय कार्यालयों की भूमि का शासन के पक्ष में नामांतरण का काम अभियान चलाकर पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नगरीय क्षेत्रों में शहरी पट्टों के वितरण के लिए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फौती नामांतरण, बंटवारा, अविवादित नामांतरण सहित राजस्व मामलों के निराकरण में तेजी लाई जाए और इसे समय सीमा में ही पूरा करें। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए डिजिटल नवाचारों पर भी तेजी के साथ काम करें। राजस्व विभाग के सचिव अविनाश चंपावत ने मुख्यमंत्री को राजस्व विभाग की योजनाओं, गतिविधियों और विभागीय आवश्यकताओं से अवगत कराया। उन्होंने राजस्व विभाग के प्रशासनिक इकाई की मूलभूत जानकारी के साथ ही स्वामित्व योजना, राहत कार्यालय के कार्य, राजस्व न्यायालय, जिओ रिफ्रेंसिंग, डिजिटल क्रॉप सर्वे सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अद्यतन जानकारी साझा की। बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव द्वय पी. दयानंद, राहुल भगत और आयुक्त भू अभिलेख रमेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सायबर फॉरेसिंग लैब पहुंची गृहमंत्री शर्मा
उपकरणों और सॉफ्टवेयर का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में स्थित राज्य साइबर फॉरेंसिक लैब का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लैब में उपयोग किए जा रहे विभिन्न उपकरणों और सॉफ्टवेयरों का अवलोकन किया। इसमें मोबाइल फॉरेंसिक सॉफ्टवेयर, हार्ड डिस्क फॉरेंसिक सॉफ्टवेयर, और वीडियो विश्लेषण प्रक्रिया शामिल हैं। साथ ही उन्होंने जिलों से प्राप्त रिपोर्ट्स और लैब द्वारा भेजे जाने वाले प्रतिवेदनों की भी समीक्षा की। इस दौरान साइबर अपराध शाखा द्वारा राज्य साइबर फॉरेंसिक लैब, रीजनल साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर, राज्य साइबर पुलिस थाना और 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन सेंटर द्वारा साइबर अपराध की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री शर्मा ने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसमें स्कूल और कॉलेजों को शामिल करने कहा। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सूचना प्रौद्योगिकी में उभरती नई तकनीकों से सुसज्जित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रदीप गुप्ता, सहायक पुलिस महानिरीक्षक कवि गुप्ता और साइबर फॉरेंसिक लैब के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में तैयार होंगे इंटरनेशनल खिलाड़ी
मुख्यमंत्री ने खेल सुविधाएं बढ़ाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में प्रचलित 8-10 महत्वपूर्ण खेलों को चिन्हांकित कर खिलाड़ियों को आवासीय प्रशिक्षण, पढ़ाई और अच्छे पोषण के साथ विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराएं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में मेडल जीते, हम इसी लक्ष्य के साथ खेल सुविधाओं के विस्तार पर काम कर रहे हैं। हमें अपनी खेल प्रतिभाओं को विश्व पटल पर लेकर जाना है। मुख्यमंत्री श्री साय आज अपने निवास कार्यालय में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा उपरांत अधिकारियों को निर्देशित करते हुए यह बातें कहीं। इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से प्रदेश में मौजूद खेल अधोसंरचनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरगुजा से लेकर बस्तर तक युवाओं में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, हमें उसे निखारने की आवश्यकता है। श्री साय ने अधिकारियों से केन्द्रीय स्तर पर स्वीकृति के लिए भेजे प्रस्ताव की जानकारी सूचीबद्ध कर उपलब्ध कराने को कहा ताकि अपने दिल्ली प्रवास के दौरान इन पर चर्चा की जा सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में खेलो इंडिया सेंटर के संचालन के संबंध में जानकारी ली और अधिकारियों को इसका सतत निरीक्षण करने को कहा। श्री साय ने एनटीपीसी के सहयोग से जशपुर जिले के सन्ना में तैयार होने वाले नेशनल आर्चरी अकादमी का जिक्र करते हुए कहा कि इस पहल से इस दूरस्थ इलाके का विकास होगा, साथ ही इस इलाके में रहने वाले पहाड़ी कोरवा, जो स्वाभाविक रूप से तीरंदाजी में माहिर होते हैं, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत नक्सल प्रभावित इलाकों में खेल सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से लिए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए हाल ही में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को फलने फूलने का पूरा अवसर मिले, हमें यह सुनिश्चित करना है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने मुख्यमंत्री को जशपुर, रायगढ़ में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण से जुड़ी जानकारियां दी। उन्होंने खेल अलंकरण पुरस्कार, क्रीडा प्रोत्साहन योजना सहित खेल सुविधाओं के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं और आगामी कार्ययोजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, राजस्व विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, मुख्यमंत्री के सचिव द्वय पी. दयानंद व राहुल भगत एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर दशहरा कार्यक्रम में शामिल होंगे सीएम साय, 15 को मूरिया दरबार

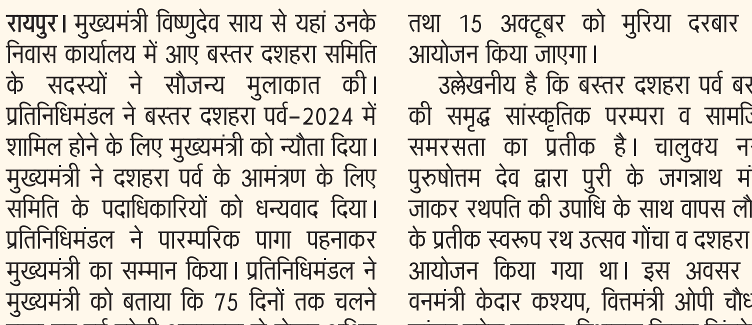

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से यहां उनके निवास कार्यालय में आए बस्तर दशहरा समिति के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर दशहरा पर्व-2024 में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री को न्यौता दिया। मुख्यमंत्री ने दशहरा पर्व के आमंत्रण के लिए समिति के पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधिमंडल ने पारम्परिक पागा पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि 75 दिनों तक चलने वाला यह पर्व हरेली अमावस्या से लेकर अश्विन शुक्ल पक्ष के 13वें दिन तक मनाया जाता है। इस वर्ष 4 अगस्त को पाटजात्रा पूजा विधान के साथ इस पर्व की शुरुआत हुई है। 2 अक्टूबर को काछनगादी पूजा, 10 अक्टूबर को बेल पूजा तथा 15 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बस्तर दशहरा पर्व बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा व सामजिक समरसता का प्रतीक है। चालुक्य नरेश पुरुषोत्तम देव द्वारा पुरी के जगन्नाथ मंदिर जाकर रथपति की उपाधि के साथ वापस लौटने के प्रतीक स्वरूप रथ उत्सव गोंचा व दशहरा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर वनमंत्री केदार कश्यप, वित्तमंत्री ओपी चौधरी, सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण सिंहदेव व विनायक गोयल तथा बस्तर दशहरा समिति से अर्जुन कर्मा, बलराम मांझी, भरत चालकी, बीरो मांझी,मंगलू मांझी, तिरनाथ मांझी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950